डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 171 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 07 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

चांदी के भाव में भारी गिरावट

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। चांदी के भाव जिस तेजी से बढ़े थे, अब उसी तेजी से कम हो रहे हैं। पिछले 04 दिन में चांदी 10 फीसदी सस्ती हो चुकी है। अर्थात 10 हजार रुपये से ज्यादा टूट गई। महीने की शुरुआत यानी 01 अप्रैल को इसके भाव 01 लाख 01 हजार रुपए प्रति किलो थे। वहीं रविवार अवकाश से पहले शनिवार को चांदी 90 हजार 500 रुपए प्रतिकिलो बिकी। इसके ऑलटाइम हाई भाव 1 लाख 01 हजार 600 रुपए प्रति किलो रह चुके हैं। सराफा व्यापारियों के मुताबिक भाव में आगे भी गिरावट बनी रह सकती है। शनिवार सुबह जब सराफा बाजार खुला तो भाव में 02 हजार रुपए प्रतिकिलो की गिरावट आई और भाव 90 हजार 500 रुपए प्रतिकिलो पहुंच गए। जबकि, शुक्रवार को सराफा बाजार में चांदी 92 हजार 500 रुपए प्रतिकिलो बिक रही थी। पिछले 04 दिन से चांदी के भाव हर दिन करीब 02 हजार रुपए प्रतिकिलो गिरे हैं। इससे भाव 90 हजार रुपए के स्तर पर पहुंच गए।

सराफा व्यापारियों के मुताबिक ..... **शेष पेज 4 पर**

भये प्रगट कृपाला

शहर सहित अंचल में रामनवमी का पर्व धुमधाम से मनाया गया। दोपहर 12 बजते ही वैष्णव मंदिरो में भये प्रगट कृपाला, दीन दयाला, कोशल्या हितकारी के जयकारो के साथ श्रीराम जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर श्री क्षत्रिय मेवाड़ा कुमावत समाज द्वारा नरसिंहपुरा राम-जानकी मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होकर पुनः राम-जानकी मंदिर नरसिंहपुरा पहुंची। जहां दोपहर 12 बजे रामलला की आरती की गई। तत्पश्चात समाजजनो का भोजन भी धर्मशाला में हुआ। इधर गांधी चौराहा स्थित श्री विश्वपति शिवालय में दोपहर 12 बजे श्रीराम जन्मोत्सव पर आरती के साथ आतिशबाजी की गई।

नाम का प्रतिबंध...

सिर्फ कार्रवाई की चेतावनी, खेतों में जल रही नरवाई

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। चैत्र का महीना चल रहा है और गेहूं की कटाई भी शुरू हो गई है। जमीन को सबसे अधिक नुकसान फसल अवशेष जलाने से होता है। आग की चपेट में आने से अन्य किसानो की फसल भी बर्बाद हो जाती हैं। इससे निपटने के लिए सरकार ने कड़ा कदम उठाया है। गेहूं का डंठल जलाने वाले किसानों पर सेटेलाइट से निगरानी की जा रही है। वहीं कार्रवाई की चेतावनी भी प्रशासन ने जारी की है। हालांकि, कार्रवाई के अभाव के चलते खेतों में नरवाई जलाई जा रही है।

खेतों में नरवाई जलाने वाले किसानों से जिला प्रशासन जुर्माना वसूल करेगा। कलेक्टर ने पूरे जिले में इस पर पाबंदी लगा रखी है। फिर भी किसान नियमों को ताक पर रख अपने खेतों में रात्रि के समय का फायदा उठाकर पराली जला रहे हैं। प्रदूषण रोकने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कागजो में सख्ती बरती जा रही है। किसान गेहूं के डंठल न जलाए, इसके लिए कृषि विभाग जागरूक भी कर रहा है। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार प्रदूषण रोकने के लिए ही प्रशासन द्वारा सख्ती बरती जा रही है। किसान अभी गेहूं की फसल को काटकर मंडी में ले जाने का कार्य कर रहे हैं। कई किसान रात्रि के समय का फायदा उठाकर अपने खेतों में खड़े गेहूं के डंठलों को जलाने का काम भी कर रहे हैं। किसानो द्वारा खेत में पराली जलाने के दौरान हवा के साथ यह आग फैलती है और अन्य किसानों के खेतो को भी इसका नुकसान उठाना पड़ता है।

यह है कार्रवाई का प्रावधान...

फसल अवशेष जलाने का दोषी पाए जाने पर संबंधित किसान पर दो एकड़ जमीन पर 2500 रुपए, दो से पांच एकड़ पर 05 हजार और इससे अधिक रकबे पर 15 हजार रुपये के जुर्माने का प्रविधान है। फसल अवशेष जलाने वाले किसानों को सरकारी योजनाओं, जैसे कि धान खरीद और डीबीटी के तहत मिलने वाले अनुदान से वंचित किया जा सकता है। फसल अवशेष जलाने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत कानूनी कार्रवाई हो सकती है, जिसमें छह महीने तक का कारावास और 15 हजार रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। फसल अवशेष जलाने पर 2,500 से 15,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

रामनवमी के अभिजीत मुहूर्त पर श्री रामलला का सूर्य तिलक, ललाट पर पड़ी सूर्य किरणें

अयोध्या, 06 अप्रैल। रामनवमी के अवसर पर अभिजीत मुहूर्त में श्री राम लला के ललाट पर सूर्य तिलक हुआ। करीब चार मिनट तक यह दुर्लभ संयोग रहा। समूची दुनिया इस अभूतपूर्व पल की साक्षी बनी। सूर्य तिलक के साथ ही मंदिर में आरती की गई। इससे पहले कुछ देर के लिए मंदिर के पट बंद किए गए। गर्भगृह की लाइट बंद कर दी गई, ताकि सूर्य तिलक स्पष्टनजर आए।

सूर्य तिलक को लेकर शनिवार को आखिरी ट्रायल किया गया था। आठ मिनट तक चले इस ट्रायल के दौरान इसरो के साथ-साथ आईआईटी रुड़की और आईआईटी चेन्नई के एक्सपर्ट भी मौजूद रहे थे। रामनवमी पर दूसरी बार रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया है। इसका सीधा प्रसारण देश-दुनिया के लोगों ने देखा। रामनवमी के अवसर पर बीते साल भी रामलला का सूर्य तिलक किया गया था। ट्रस्ट ने फैसला लिया है कि अगले बीस साल तक लगातार सूर्य तिलक होता रहेगा।

बता दें, श्री रामजन्मोत्सव पर सूर्य तिलक का धार्मिक महत्व है। इसका प्रेरणास्रोत रामचरितमानस की चौपाई- 'मास दिवस कर दिवस भा मरम न जानइ कोइ, रथ समेत रबि थाकेउ निसा कवन बिधि होइ है।' चौपाई में तुलसीदास लिखते हैं कि रामलला का जब जन्म हुआ, तब सूर्य देव अयोध्या पहुंचे, इतना मोहित हुए कि एक महीने अयोध्या में रह गए। इस दौरान अयोध्या में रात नहीं हुई। भगवान राम सूर्यवंशी थे यानी सूर्य उनके कुल देवता हैं।

एकसाथ रहेगी 05 दिन की छुट्टी

बैंक, स्कूल, कालेज और सरकारी दफ्तर रहेंगे बंद

रतलाम/मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अप्रैल महीने में सरकारी कर्मचारियों और बच्चों की मौज होने वाली है इस महीने में 5 दिन लगातार सरकारी दफ्तर और स्कूल कॉलेज में अवकाश रहेगा यदि आप भी अप्रैल महीने में घूमने का प्लान बना रहे है तो आप अपना काम जल्दी से निपटा ले अप्रैल महीने में 10,11,12,13,14 अप्रैल को सभी स्कूल कॉलेज ओर सरकारी दफ्तरों में अवकाश रहेगा और इसके अलावा आप अपना बैंक या सरकारी दफ्तर से जुडा जरूरी काम समय से पहले निपटा ले वरना आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है हम आपको बता दे कि राजस्थान सरकार ने अप्रैल महीने की छुट्टियों से जुडी अपडेट जारी कर दी अप्रैल महीने में 10 तारीख से लेकर 14 तारीख तक लगातार 5 दिन छुट्टियां रहेगी।

10 तारीख से लेकर 14 अप्रैल तक रहेगा अवकाश–अप्रैल महीने में छुट्टियों को लेकर कैलेंडर जारी हो चुका है इस महीने में लगातार 5 दिन सरकारी दफ्तर और स्कूल कॉलेज में लगातार 5 दिन का अवकाश रहेगा । 10 अप्रेल (गुरुवार) को महावीर जयंती, 11 अप्रेल (शुक्रवार) को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती, 12 अप्रेल (शनिवार) और 13 अप्रेल (रविवार) और 14 अप्रेल (सोमवार) को अम्बेडकर जयंती पर राजस्थान में अवकाश रहेगा इन छुट्टियों में बच्चों ओर सरकारी कर्मचारियों की मौज हो गई है। अप्रेल महीने में 13 दिन की अवकाश रहेगा नया फाइनेंशिल ईयर के शुरू होते ही पहले महीने में 13 दिन की छुट्टी रहेगी अप्रैल का महीना सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी भरा है।

5 दिन लगातार छुट्टी के पीछे वजह

❊10 अप्रेल को महावीर जयंती–देश में 10 अप्रेल को महावीर जयंती बनाई जाएगी। जैन धर्म के लोगों के लिए महावीर जयंती का पर्व बेहद खास होता है। हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को जैन धर्म समुदाय के लोग प्रभात फेरी, अनुष्ठान और शोभा यात्रा का आयोजन करते हैं। महावीर जयंती का पर्व भगवान महावीर को समर्पित है। जिन्होंने समाज और लोगों के कल्याण के लिए संदेश दिए थे। मोक्ष प्राप्ति के लिए पांच नियम भी स्थापित किए, जिनको पंच सिद्धांत कहा जाता है।

❊11 अप्रेल को ज्योतिबा फुले की जयंती–महात्मा ज्योतिबा फुले एक समाज सुधारक, विचारक, लेखक, दार्शनिक और क्रांतिकारी कार्यकर्ता के तौर पर जाने जाते है। 24 सितंबर 1873 में महात्मा ज्योतिबा फुले ने सत्य शोधक समाज नामक एक संस्था की स्थापना की थी। जिसका उद्देश्य नीची समझी जाने वाली और अस्पृश्य जातियों के उत्थान के लिए काम करना था। इनकी जयंती हर साल 11 अप्रेल को मनाई जाती है।

❊12 अप्रेल को शनिवार–अप्रैल महीने में 12 अप्रेल को दूसरा शनिवार के वजह से छुट्टी रहेगी

❊13 अप्रेल को रविवार– 13 अप्रैल को रविवार को सरकारी अवकाश रहेगा।

❊14 अप्रेल को अम्बेडकर जयंती–भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार, आजाद भारत के पहले कानून मंत्री डॉ. भीमराव रावजी अम्बेडकर की हर साल 14 अप्रैल को देश और दुनिया में जयंती मनाई जाती है। डॉ अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रेल 1891 को हुआ था।

अप्रैल में सरकारी कर्मियों के लिए छुट्टियों की भरमार

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। इस बार अप्रैल का महीना भरपूर छुट्टियां लेकर आया है। इस महीने में लंबा वीकेंड आ रहा है। बता दें कि अगले सप्ताह 05 में से 04 दिन छुट्टियां रहेंगी। 10, 12, 13 और 14 अप्रैल को सरकारी छुट्टी रहेगी। ऐसे में अगर सिर्फ 11 अप्रैल की छुट्टी ले लें तो अपने बच्चों के साथ लगातार पांच दिन गर्मियों की छुट्टी का आनंद ले सकते हैं।

बता दें कि आगामी 10 अप्रैल यानी गुरुवार को महावीर जयंती पड़ेगी। इसके अगले दिन 11 अप्रैल को शुक्रवार है। हालांकि, इस दिन कोई छुट्टी नहीं है। वहीं, 12 अप्रैल को महीने का दूसरा शनिवार पड़ रहा है। अगले दिन 13 अप्रैल को रविवार है। वहीं, 14 अप्रैल 2025 सोमवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर जयंती के चलते अवकाश रहेगा। ऐसे में अगर सरकारी कर्मचारी सिर्फ 11 अप्रैल को अवकाश ले लें तो लगातार पांच दिन परिवार के साथ अवकाश का आनंद लेने के लिए आउटिंग प्लान कर सकते हैं।

मई से जून तक स्कूलों की छुट्टी...

❊ 01 मई से 31 मई तक (शिक्षकों के लिए)
❊ 01 मई से 15 जून तक (विद्यार्थियों के लिए)
❊ दशहरे की छुट्टी-01 से 03 अक्टूबर तक
❊ दिवाली की छुट्टी- 18 से 23 अक्टूबर तक
❊ शीतकालीन अवकाश -31 दिसम्बर 2025 से 04 जनवरी 2026 तक

दसवीं-बारहवीं का रिजल्ट 10 मई तक

एमपी बोर्ड के छात्रो को मिलेंगे बोनस अंक

भोपाल, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) का हाई स्कूल और हायर सेकंडरी का रिजल्ट 10 मई तक घोषित किया जा सकता है। अब तक 45 प्रतिशत से ज्यादा मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है। आमतौर पर परीक्षा समाप्ति के 45 दिन में कॉपी चेकिंग का लक्ष्य रखा जाता है। एक और महत्वपूर्ण बात यह सामने आ रही है कि बोर्ड परीक्षा में प्रश्नपत्र तैयार करते हुए शिक्षकों ने लापरवाही की। जिसके चलते प्रश्नों में गलती हुई। उनकी गलती की भरपाई मंडल बोनस अंक देकर करेगा। दसवीं गणित में एक अंक बोनस में दिया जा रहा है। इससे पहले उर्दू के प्रश्नपत्र में गलती पर दो बोनस अंक दिए जा चुके हैं।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की 25 व 27 फरवी से शुरू हुई दसवीं-बारहवीं की परीक्षा का मूल्यांकन 13 मार्च से शुरू कर दिया गया था। राजधानी भोपाल के टीटी नगर मॉडल स्कूल में इसका मूल्यांकन जारी है। मूल्यांकन के तीसरे चरण में बोनस अंक के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। गणित के सेट ए के तीसरे प्रश्न के छठवें भाग में गलती निकली। वस्तुनिष्ठ प्रश्न के लिए जो विकल्प दिए गए उसमें उत्तर सही नहीं दिया गया। मंडल इस गलती के एवज में स्टूडेंट को एक बोनस अंक देगा।

पांच चरणों में मूल्यांकन...

एमपी बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन का पांचवा चरण चल रहा है। इसमें दसवीं और बारहवीं दोनों कक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं की जांच हो रही है। बताया गया है कि 15 अप्रैल तक मूल्यांकन का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। जिसके बाद रिजल्ट तैयार होगा।

उच्च शिक्षा विभाग: सभी विषय की पहली यूनिट भारतीय ज्ञान परंपरा पर होगी

भोपाल/मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नए शैक्षणिक सत्र से उच्च शिक्षा के सिलेबस में बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। अब सभी प्रमुख विषयों की पहली इकाई 'भारतीय ज्ञान परंपरा' पर आधारित होगी। यानी विद्यार्थियों को बताया जाएगा कि संबंधित विषय की अवधारणा भारतीय ग्रंथों में पहले से मौजूद है। उच्च शिक्षा विभाग विशेष ध्यान दे रहा है कि भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े जो भी तथ्य पाठ्यक्रम में शामिल किए जा रहे हैं, वे सुनी-सुनाई बातें न होकर पूरी तरह प्रामाणिक हों। केंद्रीय अध्ययन मंडल 19 प्रमुख विषयों के लिए नया सिलेबस तैयार कर रहा है। कुल 82 प्रमुख अवधारणाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत समाहित किया जाना है।

इन विषयों में प्रमुख बदलाव...

गणित, इतिहास, भौतिक विज्ञान, दर्शन शास्त्र, हिंदी साहित्य, संस्कृत, समाज शास्त्र, रसायन शास्त्र, राजनीति शास्त्र, वाणिज्य, मैनेजमेंट, वनस्पति विज्ञान, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, प्राणी शास्त्र, संगीत, अंग्रेजी साहित्य, भूगोल और होम साइंस।

सिलेबस में ये सब हो सकता है शामिल...

❊ अब तक डाल्टन को परमाणु सिद्धांत का जनक बताया जाता रहा है। लेकिन, डाल्टन से 2600 वर्ष पहले ही आचार्य कणाद ने परमाणु सिद्धांत विकसित कर लिया था। कणाद का जन्म 600 ई.पू. में हुआ था।

❊ भारतीय गणितज्ञों ने शून्य और दशमलव पद्धति से दुनिया को परिचित कराया था।

❊ राजा भोज द्वारा लिखित समरांगणसूत्रधार में यंत्र विज्ञान, नगर निवेश और वास्तुकला का ज्ञान है। मानसार में भी अनेक यंत्रों का उल्लेख मिलता है।

❊ समाजशास्त्र में स्त्री शिक्षा की बात की जाए तो ऋग्वेद में मैत्रेयी, लोपामुद्रा, काक्षीवती और अपाला आदि कई महिला ऋषियों का उल्लेख है। आपस्तंभ धर्मसूत्र में भी स्त्री आचार्यों का उल्लेख है।

❊ संगीत, नाटक, वास्तुकला में भी भारतीय ज्ञान परंपरा को समाहित किया जाएगा।

इनका कहना...

नए सत्र से स्नातक प्रथम वर्ष के सभी प्रमुख विषयों की पहली इकाई भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित होगी। इसमें पुरास्थलों का भ्रमण और प्रोजेक्ट कार्य जैसी गतिविधियां भी शामिल रहेंगी।

डॉ. धीरेंद्र शुक्ला, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग भोपाल

स्टार्टअप जैसे व्यवसाय भारतीय युवाओं के लिए अवसर या दुर्गति के आसार बन रहे हैं...

मंदसौर/उज्जैन, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का स्टार्टअप महासंगम कार्यक्रम में दिया गया ज्ञानवर्धक भाषण केंद्र सरकार की नीतियों की पोल खोल गया। साथ ही युवाओं के स्टार्टअप जैसे व्यवसायों से हो रही प्रगति को अवनति बता कर उलहाना दे गए हैं। स्टार्टअप व्यवसायियों ने विगन आइसक्रीम हेल्दी फूड आइटमों की होम डिलीवरी जैसे व्यवसाय में पैसा लगाया और लाखों को रोजगार दे रहे हैं। सरकार को भी हजार करोड का टैक्स प्रति साल दे रहे हैं और विदेशी निवेश भी लाए हैं। देश के ऐसे व्यवसाईयों के लिए उत्साहवर्धक आयोजन में सरकार के मंत्री पीयूष गोयल आलोचना भी कर गए और ताने भी मार गए कि देश में सिर्फ डिलीवरी करने वाले बढा रहे हैं। करना है तो तकनीक की क्षेत्र में कुछ काम करो, जैसे चीन के युवा प्रगति कर रहे हैं।

यह उल्लेख आवश्यक है कि भारत सरकार के मुखिया ने 16 जनवरी 2016 को स्टार्टअप इंडिया को लांच किया था और 2022 से इस इस दिन को स्टार्टअप दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। सरकार ही डेढ लाख स्टार्टअप की इकाइयों को मान्यता दे चुकी है। इनके सक्सेस रेट की बात करें तो 03 दिसंबर 2024 को सांसद सप्तगिरि शंकर के प्रश्न पर सरकार का जवाब था कि ऐसी इकाइयों की सफलता का हिसाब नहीं रखा जाता है। दूसरी तरफ एक वेबसाइट आईएनसी 42 ने भारत को स्टार्टअप व्यवसाय का कब्रिस्तान बताया था। जबकि, 80 स्टार्टअप इकाइयों की साख को बेहतर बताया जा रहा है इन्हीं में से 17 को मुनाफे में भी बताया जा रहा है। सरकार अगर मदद करें, सकारात्मक वातावरण दे तो और अच्छे नतीजे मिल सकते हैं। स्टार्ट अप व्यवसाय में जैसे-तैसे भारत के युवा व्यवसाई संघर्ष कर बेहतर नतीजे की ओर बढ रहे हैं। वहीं भारत सरकार का योगदान बीते 10 सालों में 13 लाख करोड रुपए का है। जबकि, चीन सरकार 72 लाख करोड रूपया लगा चुकी है। सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि चीन के मुकाबले हमारे युवा व्यवसाई कैसे ठहर पाएंगे। सरकार की मदद के यही हाल रहे, ऊपर से सरकार के मंत्री पीयूष गोयल उत्साह वर्धन करने की बजाय हतोत्साहित कर गए, तब स्वाभाविक है कि नतीजे और अधिक नकारात्मक हो जाएंगे।

चन्द्रमोहन भगत

मंत्री पीयूष गोयल यहां तक कह गए की विगन आइसक्रीम या फूड डिलीवरी करने वाले सस्ते मजदूर बनाना चाहिए या माइक्रोचिप, तब सरकार से यह सवाल पूछा जाना वाजिब है कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट का बजट सरकार ने क्यों घटा दिया। यहां तक की अनुसंधान के विदेश से मंगाए जाने वाले केमिकल और सप्लीमेंट एजेंट के आयात पर भी सरकार ने सौ प्रतिशत टैक्स लगा दिया है, जो पहले दस प्रतिशत था। वर्तमान में दुनिया भर में पानी की कमी के कारण पीने योग्य पानी के लिए स्माल मॉडल रिएक्टर को बनाने के लिए साउथ कोरिया अपनी आय का 5.1 प्रतिशत, अमेरिका 3.59 प्रतिशत, स्वीडन 3.57 प्रतिशत रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च कर रहे हैं। जबकि, भारत मात्र 0.61 प्रतिशत कर रहा है। जानकारों का मानना है कि इतनी कम बजट राशि में शोधकर्ता क्या ही कर पाएंगे! एक तरफ स्टार्ट अप इकाइयां भले ही कम आय वाला रोजगार उपलब्ध करा रही है पर सरकार ने तो स्नातक बेरोजगारों के अधिकांश रोजगार स्रोत समाप्त कर दिए हैं। 15 से 30 साल के युवाओं की संख्या अनुमानित बेरोजगारी दर 12.9 प्रतिशत है। इंस्टिट्यूट ऑफ़ ह्यूमन डेवलपमेंट ने इंडिया एंप्लायमेंट में बताया है कि 100 में से 80 शिक्षित युवा बेरोजगार है।

ऐसी स्थिति में पीयूष गोयल का स्टार्टअप इकाई द्वारा युवाओं को सस्ते मजदूर बनाने वाला बयान दूसरे देशों तक हलचल मचा गया है। साथ ही अपनी ही सरकार का विरोध पुख्ता करने का अवसर विरोधियों को दे गया है। हालांकि पीयूष गोयल सफाई देने लगे हैं। पर गेंद उनके हाथ से दूर निकल चुकी है।

विचार-मंथन

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए पारदर्शिता जरूरी

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के उपायों में पारदर्शिता को एक सबसे अहम कड़ी माना जाता रहा है। यही वजह है कि सांस्थानिक स्तर पर उच्च पदों पर नियुक्त लोगों की संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने को लेकर अक्सर आवाज उठती रही है। इस क्रम में न्यायाधीशों से भी उनकी संपत्ति का खुलासा करने की अपेक्षा की जाती है। मगर इस मसले पर उठे सवालों के बावजूद कोई ऐसी व्यवस्था नहीं बन पाई जिसमें न्यायाधीशों के लिए अपनी जायदाद की जानकारी को सार्वजनिक करना अनिवार्य हो। यों अलग-अलग अदालतों के कुछ जज अपनी संपत्ति की घोषणा करते रहे हैं, लेकिन ऐसी पहलकदमी का महत्त्व सीमित ही रहा। अब इस मसले पर देश के सर्वोच्च न्यायालय की ओर से एक अहम पहल की गई है। इसके तहत यह फैसला लिया गया है कि शीर्ष अदालत के प्रधान न्यायाधीश और अन्य सभी जज अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करेंगे। हालांकि यह स्वैच्छिक आधार पर किया जाएगा। यानी न्यायाधीशों ने किसी कानूनी बाध्यता की वजह से नहीं, बल्कि स्वेच्छा से अपनी संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करने का फैसला किया है। निश्चित रूप से सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की इस पहल ने न्यायपालिका में पारदर्शिता को लेकर देश भर में वैसे तमाम लोगों का ध्यान खींचा है, जो भ्रष्टाचार को व्यवस्था की एक सबसे बड़ी समस्या मानते हैं और उसके हल के उपायों में पारदर्शिता की अहमियत को प्राथमिक बताते हैं। अन्य सभी क्षेत्रों में भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए अगर कोई नीति बनाई जाती है, नियम लागू किए जाते हैं, तो उसे लागू होने में व्यवस्थागत स्तर पर हुई लापरवाही या उदासीनता के खिलाफ कई बार अदालतों का रुख भी करना पड़ सकता है। जाहिर है, भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए अगर किसी अदालत में एक नियम को जरूरी बताया जाता है, तो उस कसौटी पर न्यायाधीश को रखने की भी उम्मीद की जाएगी। इस लिहाज से देखें तो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति के ब्योरे को सार्वजनिक पटल पर रखने का फैसला किया है, तो इसका दूरगामी महत्त्व है। यह फैसला खासतौर पर इसलिए भी अहम माना जा रहा है कि हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय के एक जज के घर में करोड़ों की नकदी मिलने की खबर आई थी और उसके बाद जजों की आय और संपत्ति को लेकर कई तरह के सवाल उठे हैं। दरअसल, सूचना का अधिकार कानून लागू होने और कुछ न्यायाधीशों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई थी कि जजों की संपत्ति को लेकर भी पारदर्शिता क्यों नहीं सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसी क्रम में वर्ष 2009 में सर्वोच्च न्यायालय और सभी उच्च न्यायालय के जजों ने नियमित रूप से अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करने का संकल्प लिया था, लेकिन उसका कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। इस संबंध में एक संसदीय समिति भी अपनी एक रपट में यह कह चुकी है कि जजों की संपत्ति की घोषणा को अनिवार्य बनाने के लिए एक कानून लाया जाना चाहिए। दरअसल, जब तक जजों की ओर से नियमित रूप से अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने की प्रक्रिया को संस्थागत रूप नहीं दिया जाएगा, तब तक इस संबंध में सिर्फ निजी स्तर पर की गई पहल या संकल्प के बूते इसमें निरंतरता बनाए रखना मुश्किल साबित होगा। जबकि अगर न्यायाधीशों की संपत्ति को लेकर एक पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाती है, तो इससे समूची व्यवस्था में जनता का भरोसा बढ़ेगा और न्यायपालिका की विश्वसनीयता में इजाफा होगा।

वक्फ संशोधन विधेयक 2025 के पारित होने के सियासी मायने

कमलेश पांडे

2029 के आम चुनाव से पूर्व होने वाले विभिन्न विधानसभा चुनावों से यह स्पष्ट हो जाएगा कि राजग (एनडीए) के मुकाबले संप्रग (यूपीए) टिका रह पाएगा कि नहीं, क्योंकि 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जहां पर एनडीए और यूपीए (अब इंडिया गठबंधन) के बीच सीधा मुकाबला है। हिंदी पट्टी में भाजपा व उसके सहयोगियों के निरंतर मजबूत होते जाने की असली वजह कांग्रेस व उसके सहयोगियों की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति है, जिससे हिन्दू जनमानस आहत होता आया है। वहीं, जातिवाद व क्षेत्रवाद की आड़ में हिंदुओं को कमजोर रखने की जो इनकी साजिश है, उसे भी लोग अब समझने लगे हैं। यही वजह है कि बिहार समेत पूरे देश में जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामूहिक जनहितैषी फैसलों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी है, वहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुस्लिमपरस्ती, जूठे जातीय प्रेम और अदूरदर्शिता भरे सियासी फैसलों से इनकी छवि धूमिल हुई है। बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम और उसपर मिले जनादेश इसी बात की तो चुगली करते हैं। मजेदार बात तो यह है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 की आड़ में कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन के द्वारा अल्पसंख्यकों को भड़काने की जो योजना बनाई गई थी, उन्मुक्त संसदीय बहस से उसपर पानी फिर गया है। इस बहस के बाद पसमांदा यानी गरीब मुसलमान जहां एनडीए के पक्ष में आ गए हैं, वहीं पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान व अरब देशों की भाषा बोलने वाले अमीर मुसलमान अब अपनी ही कौम में अलग-थलग पड़ जाएंगे। क्योंकि मोदी सरकार की सबका साथ, सबका विकास वाली रणनीति से सबसे ज्यादा फायदा हिन्दू व मुस्लिम समुदाय के गरीबों को ही मिला है, जो अब एनडीए के मजबूत वोट बैंक बन चुके हैं। वहीं, राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति और तीन तलाक जैसे कानूनों के उन्मूलन से अमीर मुसलमान ही भड़क रहे हैं और गरीब मुसलमानों को धर्म के नाम पर भड़का रहे हैं, जिसे गरीब मुसलमान अब समझने लगे हैं। इसलिए कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन के मुस्लिम वोट बैंक का दरकना अब तय हो गया है, जिसका असर आपको बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से ही दिखने लगेगा। अभी जदयू के मुस्लिम नेताओं में नीतीश कुमार के ताजा फैसले से जो रोष है, वह भी जल्द ही समाप्त हो जाएगा। क्योंकि भाजपा जो भी मुस्लिम सम्बन्धी फैसले ले रही है, वह संघ समर्थित राष्ट्रीय मुस्लिम मंच की हरी झंडी के बाद ही, जो पसमांदा मुसलमानों में गहरी पैठ रखती है। मोदी ईदी उपहार अबतक का सबसे बड़ा हृदय परिवर्तन अभियान समझा गया। वहीं, 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 2027 में उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव

होने वाले हैं। इन दोनों महत्वपूर्ण राज्य विधानसभा चुनावों के समय अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में भी चुनाव होंगे, जहां दोनों गठबंधनों की कड़ी परीक्षा होगी। इसके बाद वर्ष 2028 में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों में भी विधान सभा चुनाव होंगे, जो यह स्पष्ट कर देंगे कि अल्पसंख्यक एनडीए के साथ में हैं या उसके विरोध में इंडिया गठबंधन के साथ। क्योंकि इंडिया गठबंधन की आपसी सिरफुटौव्वल ही इसकी सबसे बड़ी बाधा थी, है और रहेगी। यह वजह है कि पूरे देश में पिछले तीन संसदीय आमचुनावों से जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन निरंतर मजबूत होता जा रहा है और एक के बाद दूसरे राज्य में भी चुनाव जीतते जा रहा है, वहीं इंडिया गठबंधन की इंजन पार्टी कांग्रेस को आम चुनाव 2024 में थोड़ी सी सियासी ऑक्सीजन क्या मिल गई, वह विभिन्न राज्यों में अपने गठबंधन सहयोगियों को ही कुचलने लगी। यदि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 मुसलमानों से जुड़ा मामला नहीं होता तो इंडिया गठबंधन की ताजा एकजुटता भी दिखाई नहीं पड़ती।वहीं, राष्ट्रहित में और राष्ट्रवादी मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने जो ताजातरीन अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है, वह उसके और अधिक मजबूत होने का ताजा सबूत है। क्योंकि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पर जदयू, टीडीपी, लोजपा आर और राष्ट्रीय लोकदल का समर्थन पाना एक युगान्तकारी घटना है। इनके नेताओं ने संसद में विधेयक के समर्थन में जो शानदार दलीलें दी हैं, उससे पसमांदा मुसलमानों में भी भाजपा के प्रति नया प्यार उमड़ेगा, जो समकालीन राष्ट्रीय जरूरत भी है। अब यह साफ हो चुका है कि राष्ट्रवादी और जनवादी कानून बनाने में एनडीए का कोई सानी नहीं है। यही गठबंधन कांग्रेस कालीन और जनता पार्टी, जनता दल और संयुक्त मोर्चा कालीन सियासी पापों को प्रक्षालित करने का माद्दा रखता है। एनडीए ने जिस तरह से अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति को अप्रासंगिक बना दिया है और हिंदुओं में जातीय विभाजन की गति पर ब्रेक लगाई है, उस राष्ट्रहित में उसका बड़ा योगदान है। भाजपा की इस बात के लिए तारीफ की जानी चाहिए कि अल्पमत में होने के बावजूद उसने अपने कोर सियासी एजेंडे पर अपने सहयोगियों का विश्वास हासिल करके एक नया राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। गौरतलब है कि राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने दो टूक कहा कि +वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है और इसे धर्मनिरपेक्ष होना चाहिए। फिर भी हमने इसमें गैर-मुस्लिमों की संख्या सीमित कर दी है। वक्फ विधेयक से मुसलमानों को हम नहीं डरा रहे बल्कि विपक्षी पार्टियां डरा रही हैं।+ रिजीजू ने साफ कहा कि वक्फ बिल मुस्लिमों के अधिकार नहीं छीनेगा। यही वजह है कि लोकसभा के बाद राज्यसभा ने भी इसे मंजूरी दी। बिल के पक्ष में 128 और विपक्ष में 95 वोट पड़े, जिससे इंडिया गठबंधन के अरमानों पर पानी फिर गया। क्योंकि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद जल्द ही यह विधेयक कानून का रूप ले लेगा। शायद यही वजह है कि लोकसभा में विधेयक पारित होने के बाद राज्यसभा में विपक्ष का हौसला पस्त दिखा। वैसे इस विधेयक पर विपक्ष की ओर से कई संशोधन पेश किए गए, जिसे सदन ने खारिज कर दिया। दरअसल, सदन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए रिजिजू ने दो टूक लहजे में पूछा कि मुसलमानों में यदि गरीबी ज्यादा है, तो उन्हें गरीब किसने बनाया? आपने बनाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो सबका साथ, सबका विकास की बात की है, वही तो संविधान की भावना है। वक्फ बोर्ड असंवैधानिक नहीं है।

इस जगत की हर चीज कुदरत का नायाब सृजन

संदीप पांडे 'शिष्य'

इस संसार में केवल दिन काटना नहीं, बल्कि उमंग सहित सक्रियता ही सबसे अच्छी बात है। सक्रिय रहने के लिए उत्साह और तरंग चाहिए। यह उत्साह और उमंग मन को बदलने या बहलाव से पैदा होती है। कृषि प्रधान देश भारत में घंटों तक खेत में गुड़ाई, निराई, सिंचाई और अनाज काटने वालों को कभी गौर से देखा जाए तो पता चलता है कि वे सभी हंसते रहते हैं, कुछ न कुछ गाते रहते हैं या सामूहिक भोजन करते हैं। इस तरह वे अपनी उमंग और तरंग को बरकरार रखते हैं। शाम को अपने घर लौटते समय भी वे उत्साह से खिलखिल करते मिल जाते हैं। अपने काम को खुशी-खुशी करने के लिए इस जगत में उत्साह ही एक बेहतरीन प्रेरक है। हमारा वास्ता किसी न किसी रूप में इससे रहता ही है। सुबह की सैर के लिए जाते समय उत्साह भरने के लिए तितलियों के झुंड शीतल हवा, विद्यालय के लिए भागते बच्चे- ये सब हमको जोशीला बनाना चाहते हैं। मगर क्या हमने गौर किया है कि आमतौर पर कुछ पाठशालाओं में सप्ताह में एक दिन दो-चार घंटे के लिए विद्यार्थियों को कुछ मजेदार श्रमदान करने के लिए कक्षा से बाहर बुलाया जाता है। कुछ तो बगीचे के सूखे पत्ते बीनते हैं, कुछ अपने कोमल हाथों से प्यासे पौधों को सींचने लगते हैं आदि। कहने का अर्थ है कि उत्साह और उमंग से जीवन का जुड़ाव बनाने की सरल और सफल कोशिश होती है। बहुत देर तक पैदल चलता राहगीर एक हरा-भरा बाग देखकर रुकता है। बगीचों में कूकती कोयल, इधर-उधर डोलती गिलहरी को वह मंत्रमुग्ध होकर सुनता है। कलकल करती बहती नदी या झरने के स्वर में थका और प्यासा आदमी अपनी प्यास और थकान को भूल जाता है। वह फिर से दोगुने उत्साह को पा जाता है। एक समाज मनोवैज्ञानिक पहलू यह है कि मनुष्य का समाज और उसका परिवेश उसको जोशीला बनाने में कोई कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। दरअसल, समाज ही ऐसी गतिविधियों का मंच बन सकता है, जिसमें हमें अधिक से अधिक शामिल होना चाहिए, मगर अकेले और अलग-अलग होकर इसी शानदार लाभ से दूर रहकर हम अपने आप को उमंग से विलग कर रहे हैं। जो लोग उत्साह और उमंग से रहित हैं, वे नकली होने लगते हैं। यहां इस समाज में वह जो नहीं हैं, वही होने का ढोंग करते हैं। इस ढोंग के संदर्भ में ही मनोवैज्ञानिक कार्ल रोजर्स ने लिखा था

कि भले ही मानव की औसत आयु बढ़ रही है, पर उमंग की कमी छल-कपट और ढोंग बढ़ने के कारण मनुष्य हर पल मर रहा है। रोजर्स की लोकप्रिय किताब 'आन बिकमिंग अ पर्सन' आडंबरों से परे कुदरती होना और उत्साहपूर्ण रहना सिखाती है। रूसी कथाकार चेखव ने एक दिन के दिखावटी जीवन को भी दुख, मूर्खता, दुर्भाग्य और बुराई कहा है। इस जगत की हर चीज कुदरत का वह नायाब सृजन है, जिस पर मंत्रमुग्ध हुए बगैर रहा नहीं जा सकता है। कहीं पढ़ा था कि गारे और सीमेंट के स्टूडियो में काम करने के बाद हरी घास पर लोटना और झरने के समीप ध्यान में डूब जानाज इससे बेहतर उमंग और तरंग कुछ और नहीं है। कुदरत ने अपनी हर संपदा को हम सबके उपयोग और कल्याण के लिए ही परोसा हुआ है। नदी, झील, वन, उपवन, पहाड़, चोटियां, सागर, महाद्वीप, रेत के टीले हम सबको सहलाने और बहलाने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। यह उत्साह देने वाले एकदम निशुल्क टानिक हैं। मगर हम ही नादान हैं, जो इनका लाभ ही नहीं ले रहे।विलासिता और सुख में डूबकर उदास हो गए एक राजकुमार की कहानी भी अनुकरणीय है। राजकुमार में उमंग भरने के लिए उसके गुरु उसे गांव लेकर जाते हैं। राजकुमार अपने लिए पीने का जल खुद कुएं से लाता है। भूख लगी तो खेतों से सब्जी और फल खोजता है। मनोरंजन चाहिए तो खुद ही कुछ गुनगुनाता है। इस तरह उसकी सारी ऊब मिट जाती है। वह बहुत सारे नए विचार और उत्साह के साथ वापस महल में आता है। अगले दिन से एक जोश भरी दिनचर्या में रम जाता है। दरअसल, उत्साहपूर्ण मानसिकता में किसी भी ऊब या अवसाद की मनोभावनाओं को खत्म करने की अपूर्व क्षमता है। कई बार उमंग हमको असाधारण कामों से जोड़ देती है। शायद यही वजह है कि कुछ लोग बगैर धन और बगैर अच्छी खुराक के भी केवल उत्साह के दम पर नहर बना देते हैं, पहाड़ से सड़क निकाल देते हैं। दुर्गम पर्वत तक लांघ जाते हैं।

भारतीय बाल साहित्य का भंडार इतना छोटा क्यों

दुनिया की दशा पर विचारक और राजनेता अमूमन बहस करते नजर आते हैं, लेकिन सवाल कायम है कि इसमें बदलाव हो तो कैसे? मेरा मानना है कि सार्थक बदलाव के लिए बाल-साहित्य और बच्चों को उन्हें पढ़ना, देश व नागरिक समाज को अपनी प्राथमिकता बनानी चाहिए। दोनों ही देश के लिए अक्षय ऊर्जा के स्रोत हैं, क्योंकि उनमें मानव-पूंजी को बढ़ाने, लोकतंत्र को सुरक्षित रखने और सॉफ्ट पावर को बढ़ाने की क्षमता है। दुर्भाग्यवश, बाल साहित्य की गुणवत्ता और बच्चों को यह कितना पढ़ना चाहिए, मुर्गी और अंडे वाली समस्या है। ठीक सबसे पहले क्या किया जाए? कुछ अलग किए बिना इस मसले का समाधान मुश्किल है। भारत के प्रमुख लिटफेस्ट (लिटरेचर-फेस्टिवल) में बच्चों के साहित्य की उपेक्षा बताती है कि बाल-साहित्य की आपूर्ति, गुणवत्ता और उत्साह के मामले में हम कितने विपन्न हैं। यह उपेक्षा दुखद है, जबकि संस्कृति, शिक्षा व विचारों के आदान-प्रदान के मूल में यही उत्पाद और सेवाएं हैं। भारत में बाल-साहित्य का बाजार 700 करोड़ रुपये से कुछ अधिक का है, यानी एक छोटी दवा कंपनी के बराबर। वहीं, हमसे तुलनात्मक रूप से छोटे देश स्पेन और फ्रांस का बाल साहित्य बाजार भी हमसे पांच गुना ज्यादा बड़ा है। अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और जापान तो बहुत आगे हैं। अभी सबसे ऊपर अमेरिका का बाल-साहित्य बाजार है, हालांकि इसमें भी गिरावट आई है, बावजूद इसके यह भारत से करीब 30 गुना बड़ा है। अमेरिका में स्कूली उम्र के बच्चे बाल-साहित्य पर औसतन 20,000 रुपये खर्च करते हैं, जबकि भारत में सिर्फ 20 रुपये। हां, यह कह सकते हैं कि वहां समृद्धि अधिक है और जनसंख्या कम, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ है, जिनका अपने यहां अभाव है। भारत में बाल-साहित्य देर से आया है और प्रिंट मीडिया, किताबों की दुकानों और पुस्तकालयों के कम होने के कारण सभी प्रारूपों में इसके लिए जगह कम रही है। यहां बच्चों को कहानी सुनाने की एक समृद्ध और विविधतापूर्ण परंपरा रही है, क्योंकि साहित्य लिखित तौर पर बताने के बजाय दादी-नानी उसे सुनाना पसंद करती हैं। मुमकिन है, इससे भी बाल-साहित्य का धीमा विकास हुआ है। यहां सामग्रियों की कमी नहीं है, दिकत इसे ऐसे रूप में पेश करने की है, ताकि इसकी रचनात्मकता किशोरों को आकर्षित कर सके। बच्चों में पढ़ने की प्रतिस्पर्द्धा कराकर, पुरस्कार में किताबें बांटकर, फेलोशिप देकर और बच्चों पर केंद्रित साहित्य-समारोह का आयोजन करके इस तस्वीर को बदला जा सकता है। अपने यहां साहित्य और स्कूली पाठ्य-पुस्तकों की बिक्री का अनुपात 5:95 है, जो जापान की तुलना में काफी कम है, जहां दुनिया में सबसे ज्यादा अनुपात 90:10 है। अमेरिका में यह आंकड़ा 70:30 है, कोरिया व ब्रिटेन में 60:40। पाठ्य-पुस्तकों के प्रकाशक और वितरक मानो प्रिंटर बन गए हैं, जो लेखकों को संवारने, उनकी रचना में सुधार करने या बेहतर बनाने की दिशा में कोई काम नहीं करते। साहित्य को नजरंदाज करके सिर्फ पाठ्य-पुस्तकों पर ध्यान देने से बच्चे दुनिया के साथ रचनात्मक रूप से बहुत कम जुड़ पाते हैं। हालांकि, भारत में भाषा की राजनीति भी कोई छोटी समस्या नहीं। 20 साल के 'असर' अध्ययनों में साफ दिखता है कि पांचवीं कक्षा के 50 फीसदी बच्चे दूसरी कक्षा की पठन-सामग्रियों को भी नहीं पढ़ पाते। यहां पढ़ने की समस्या से ही समझ की समस्या उपजी है। वैधिक स्तर पर सीखने के मानक के रूप में पीआईएसए मूल्यांकन स्थापित है और इसमें हम भाग लेने से झिझकते हैं, जो समझ में भी आता है।

श्री राम नवमी पर हवन के साथ चैत्र नवरात्र महाकुंभ सम्पन्न

स्थानीय ग्रामवासियों ने की मां को चुनर अर्पित की, अतिरिक्त जिलाधीश जायसवाल पहुंची मां के दरबार

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रसिद्ध चमत्कारी आरोग्य धाम श्री दुधाखेडी माताजी मंदिर पर रविवार को परंपरागत माँ के सम्मुख हवन के साथ चैत्र नवरात्र महाकुंभ रविवार श्री राम नवमी को सम्पन्न हुआ।

अधिक जानकारी देते हुए मंदिर रात्रि सशस्त्र सुरक्षा कर्मचारी पंडित.ब्रजेश शर्मा ने बताया कि दोपहर मे अभिजीत महूर्त मे हजारों भक्तों एवं मंदिर प्रबंध समिति के जिम्मेदार पदेन अध्यक्ष गरोठ एस.डी.एम चन्दर सिंह सोलंकी, पदेन सचिव भानपुरा तहसीलदार विनोद शर्मा की गरिमामय उपस्थिति मे माँ के सम्मुख हवनकुंड मे पंडित. दिनेश शर्मा सहयोगी पंडित.विष्णु ,पंडित.कमलेश, पंडित रामेश्वर के आचार्यत्व मे मंदिर पुजारी परिवार से रघुनाथ योगी, पुरानाथ योगी, लक्ष्मीनारायण नाथ योगी, केसर नाथ योगी, आत्माराम योगी, मोहन नाथ योगी , बाबूनाथ योगी, कंवर नाथ योगी ,ग्राम पटवारी नितिन सिंह, मंदिर लेखापाल नरेंद्र कुमार शर्मा, ग्राम पंचायत सचिव सत्य नारायण मीणा द्वारा हवनकुंड मे आहुतियां अर्पित कर सम्पन्न हुआ। हवन के दौरान दर्शन व्यवस्था मे सुचारू रूप से थानाप्रभारी भानपुरा आर.सी.दांगी के नेतृत्व मे मेला प्रभारी सहायक पुलिस

निरीक्षक भानपुरा, गेंदालाल पलासिया, महिला उप निरीक्षक गरोठ जया भारद्वाज, सशस्त्र पुलिस बल उज्जैन बटालियन, महिला पुलिस बल ,ग्राम पुरुष कोटवारो, महिला कोटवारों, नगर सुरक्षा समिति सदस्य, मंदिर पुजारी घनश्याम नाथ योगी, मंदिर लेखापाल नरेंद्र कुमार शर्मा, मंदिर व्यवस्थापक रामेश्वर शर्मा, ग्राम कोटवार परमानंद शर्मा मंदिर कर्मचारी रमेश चंद्र द्विवेदी, गोविन्द योगी, पप्पू नाथ योगी, जगदीश नाथ योगी, नारायण मेघवाल, चतुभुर्ज प्रजापति, श्याम गोस्वामी, पुजारी परिवार के सदस्य पवन नाथ योगी, देवराज योगी, दीपक योगी, दीपक योगी चिन्नू मौजूद रहे। स्थानीय ग्राम दुधाखेडी वासियों, माताओं, बहिनों द्वार ढोल धमाकों आतिशबाजी के साथ कन्याओं द्वारा कलश शोभा यात्रा के रूप मे एक विशाल चुनर माँ दुधाखेडी को अर्पित की गई। शोभा यात्रा मे सम्मलित ग्राम वासियों ,माताओ, बहिनों का पुष्प वर्षा कर एवं शीतल जल पान ग्राम पंचायत मेला कंट्रोल रूम पर भानपुरा पंचायत सचिवों द्वारा किया गया। प्रात: काल से देर रात तक करीब 1 लाख 50 हजार माँ के भक्तों ने माँ के दर्शन लाभ प्राप्त कर अपने आपको हवन के तप से तपाकर अपने सुखमय स्वाथ्य की मनोकामना भक्ती कर धर्म पुण्य लाभ कमाया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर एकता जायसवाल भी रविवार को मंदिर पहुँची माँ के दर्शन लाभ प्राप्त कर आयोजन की जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों से ली। मंदिर प्रबंध समिति की और से उन्हें माँ दुधाखेडी की तस्वीर भेंट कर स्वागत, सम्मान किया गया। क्षेत्रीय विधायक चन्दर सिंह सिसोदिया ने भी शनिवार को माँ के दर्शन लाभ प्राप्त कर नवीन मंदिर निर्माण की प्रगति, महोत्सव की जानकारी लेकर अन्न क्षेत्र भंडारे मे भक्तों के सँग सम्मलित हुए थे। रविवार को हवन उपरांत अन्न क्षेत्र भंडारे मे हजारो की संख्या मे देर रात तक माताराणी की प्रसादी ग्रहण की। भक्तों द्वार अर्पित अनाज मुट्ठी की अनुमानित आंकडा 300 क्विंटल करीब रहा।

दो स्थानों पर सीसी रोड निर्माण कार्य का हुआ भूमि पूजन

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को नगर पालिका परिषद मंदसौर के द्वारा वार्ड क्रमांक 12 में दो स्थानों पर सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। पमनानी हॉस्पिटल वाली रोड व टीवीएस शोरूम वाली गली में लगभग 10 लाख ?50000 की लागत से सीसी रोड का निर्माण होने जा रहा है, कल इन दोनों निर्माण कार्य का भूमि पूजन नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रामादेवी बंशीलाल गुर्जर ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती सुनीताभावसार, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं वार्ड के पूर्व पार्षद सुनील जैन महाबली, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राम कोटवानी, भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठप्रदेश संयोजक प्रीतेश चावला, भाजपा नेता राजेश गुर्जर, भाजपा मंडल महामंत्री बंशी राठौर, उपाध्यक्ष घनश्याम खत्री, पार्षद गण रेखा सोनी, गरिमा भाटी, सुनीता गुजरिया, भावना पमनानी, पार्षद प्रतिनिधि नरेंद्र बंधवार, नंदलाल गुजरिया, राजेश सोनी एरावाला, क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता गण महेश सोनी एरावाला, अजय पोरवाल, रचना पोरवाल, सुनीता पाटीदार, अमित कपूर, गजेंद्र सुरावत, धनराज रैकवार, सीमा सोनी, पुष्पा धाकड आदि कई गणमान्य नागरिक गण भी उपस्थित है इन सभी ने नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर व क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती सुनीता भावसार का माला पहनाकर स्वागत किया।

किसान 09 तक करा सकते हैं पंजीयन

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन की अवधि 9 अप्रैल तक बढा दी गई है। पूर्व में पंजीयन की अवधि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई थी।मंत्री श्री राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि जिन किसानों ने अभी तक पंजीयन नहीं करवाया है, वे 9 अप्रैल तक गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन जरूर करायें। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। उल्लेखनीय है कि गेहूँ उपार्जन के लिये 31 मार्च तक 15 लाख 9 हजार 324 किसान पंजीयन कर चुके हैं। गेहूँ का उपार्जन भी जारी है।

बड़े बालाजी मंदिर से आज निकलेगी ध्वज यात्रा, श्री गोधाम बालाजी पर समापन

नीमच, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। 6 अप्रैल विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा संचालित श्री गोधाम बालाजी मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव भव्यता से मनाया जाएगा। इस दौरान 6 दिवसीय आयोजन होंगे। हनुमान जन्मोत्सव की शुरुआत 7 अप्रेल को ध्वज यात्रा से होगी। ध्वज यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकलेगी।

विहिप जिलाध्यक्ष शैलेंद्र गर्ग ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव को भव्यता प्रदान करने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 6 दिवसीय आयोजन में पहले दिन 7 अप्रेल को भव्य ध्वज यात्रा निकाली जाएगी। 8 अप्रेल से 3 दिवसीय माधव चरित्र गुणगान होगा। 11 अप्रेल को बालाजी का अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद अष्टोत्तर शत् श्री रामरक्षा स्त्रोत यज्ञ एवं संकट मोचक जन्मोत्सव 12 अप्रेल को सतकुंडीय यज्ञ होगा। इसी दिन सांध्यवेला में ढोल-ढमाकों और भव्य आतिशबाजी के साथ महाआरती की जाएगी। महाआरती बाद छप्पन भोग, 71 किलो मिल्क केक प्रसाद वितरित किया जाएगा। इस बीच पूर्णिमा उत्सव के तहत संगीतमय सुंदरकांड की स्वर लहरी भी वातावरण को हनुमानमय बनाएगी। गर्ग ने बताया कि बैठक में 7 अप्रेल को नया बाजार स्थित बड़े बालाजी मंदिर से शाम 4 बजे ढोल-ताशे, डीजे, बैंडबाजे, घोड़ा गाडी के साथ पारम्परिक वेशभूषा में जयघोष करती जनमैदिनी के साथ ध्वज यात्रा नगर के प्रमुख मार्ग से होकर गुजरेगी। ध्वज यात्रा नयाबाजार, घंटाघर, सराफा बाजार होती हुई श्री गोधाम बालाजी पहुंचेगी। यात्रा का प्रमुख आकर्षण उज्जैन की ढोल-ताशा पार्टी, धार्मिक स्वांगधारी बाल-गोपाल की झांकी और डीजे के साथ पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य के साथ ध्वज लहराती टोली रहेगी। इस दौरान मार्ग में जगह-जगह यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। शाम को बालाजी की आरती के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक संख्या में हनुमान भक्तों से ध्वज यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया है।

सकल ब्राह्मण समाज के कार्यालय एवं जल मंदिर का शुभारंभ आज

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सकल ब्राह्मण समाज मंदसौर के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पर दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम 29 व 30 अप्रैल को आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रमों को विस्तृत रूप देने एवं उनके निमित्त आयोजन समिति के कार्यालय का शुभारंभ आज 7 अप्रैल को होगा। इस समाज द्वारा जल मंदिर का शुभारंभ भी किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित, वरिष्ठसमाजजन पं. रूपनारायण जोशी, पं. देवेन्द्र शास्त्री होंगे।

उक्त जानकारी देते हुए सकल ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा एवं परशुराम जन्मोत्सव समिति संयोजक पं. बसंत शर्मा व सहसंयोजक जितेंद्र व्यास ने बताया कि परशुराम जन्मोत्सव के विभिन्न आयोजनों के निमित्त आयोजन समिति के कार्यालय और ब्राह्मण समाज के जल मंदिर का उद्घाटन आज 7 अप्रैल, सोमवार को सायंकाल 5 बजे दवा बाजार, शक्कर कुइयां में होगा। यह आयोजन चेतन जोशी के कार्यालय के पास आयोजित किया जाएगा। सकल ब्राह्मण समाज ने सभी ब्राह्मण बंधुओं से निवेदन किया है कि इस कार्यक्रम में शामिल होकर आगामी आयोजनों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उक्त जानकारी दिनेश नागर ने दी।

कन्याओं का किया पूजन एवं भक्तों ने किया प्रसाद ग्रहण

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। श्री मुवाझर माताजी मंदिर मुवाला पर श्री मुवाझर सामाजिक एवं जनकल्याण सेवा समिति द्वारा नवरात्रि के पावन पर्व पर तीन दिवसीय कार्यक्रम किए गए। समिति अध्यक्ष अर्जुन गेहलोत ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस बार भी चैत्र नवरात्रि में कार्यक्रम आयोजित किए। तीन दिनों में सुंदरकांड, नो कुंडिया यज्ञ का आयोजन हुआ। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन भी आयोजित किया जिसमें विजय सिंह विद्रोही राजस्थान, मनोहर मुन्नू, रजनीश शर्मा, प्रियांशी प्रिया, यशवंत पाटीदार ने काव्य पाठ किया।

कन्या पूजन कार्यक्रम में 100 कन्याओं का पूजन किया उसके पश्चात् 15 वा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें 7 हजार से भी ज्यादा भक्तों ने मातारानी के प्रसाद को ग्रहण किया। देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर मधुसूदनंदगिरी जी महाराज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राजेश दिक्षित, क्षेत्र के विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, डीएसपी दिनेश प्रजापति समिति अध्यक्ष अर्जुन गेहलोत, जिला संयोजक अनिल धनगर, उज्वल घाटिया व बंटी व्यास ने प्रथम कन्याओं की पूजा की एवं देवी स्वरूपा कन्याओं से आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में श्री श्री 1008 श्री महामंडलेश्वर

मधुसूदनंदगिरी जी महाराज ने सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया। विधायक श्री हरदीप सिंह ने कहा कि मुवाला से मुवाझर माताजी होते हुए कोचरियाखेडी तक 2.32 करोड की स्वीकृति से रोड के कार्य का बरसात से पहले शुरू कर दिया जाएगा एवं विधायक श्री डंग ने मंदिर पर मुख्य द्वार की घोषणा भी की। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार ने भी समिति को टीन शेड हेतु 1 लाख रू. देने की घोषणा की। जनपद पंचायत अध्यक्ष सीतामऊश्री रोडमल द्वारा समिति को 1लाख की घोषणा की। जनपद पंचायत सदस्य कृष्णा विष्णु पाटीदार ने समिति को 3 लाख नवीन कार्यों के लिए देने की कहा। साथ ही ग्राम पंचायत सरपंच सुंदरलाल सुनारती द्वारा मंदिर पर पानी की टंकी की घोषणा की। नवरात्रि में माता के दर्शन हेतु सीतामऊ एसडीएम शिवानी गर्ग, सीतामऊथाना प्रभारी मोहन मालवीय तथा कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष जितेंद्र बामणिया नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज शुक्ला पूर्व मंडल अध्यक्ष लालसिंह देवडा पूर्व मंडल महामंत्री जितेंद्र सिंह तोमर उपस्थित रहे। श्री मुवाझर माताजी मंदिर अति प्राचीन मंदिर है ओर समिति के माध्यम से निरंतर निर्माण कार्य एवं अन्य कार्यक्रम किए जा रहे हैं 15 वे विशाल भंडारे में 38 गांवों के 7 हजार से भी ज्यादा भक्तों ने मां के भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। पिछले 15 साल से गेहलोत कन्या पूजन एवं भंडारे का आयोजन कर रहे हैं। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष अर्जुन गेहलोत, अनिल धनगर, बंटी व्यास, सुश्री वंदना सेन, उज्वल घाटिया, दिनेश हरगोड, महिपाल सिंह, बलराम हरगोड, सुखदेव पाटीदार अशोक गेहलोद नंदलाल आंजना, दीपक मेहता, डा केलास द्विवेदी, कन्हैयाल पाटीदार सत्यनारायण पाटीदार, बनवर सिंह रमेश आंजना, शिव आंजना, शिवनारायण सेन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे समिति ने सभी देवी कन्याओं का संत श्री का पार्टी के जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारियों का श्रद्धालुओं का कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आभार माना।

फैसले के बाद भी भूखण्ड से कब्जा नही हटाया तो...

प्रशासन ने दिलाया पीड़ित पक्ष को कब्जा

पिपलियामंडी, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। गांव गुडभेली बडी में भूखण्ड के विवाद में तहसील न्यायालय से फैसला होने के बाद भी कब्जा नही देने पर प्रशासन ने रविवार को मौके पहुंच पीडित पक्ष को कब्जा दिलाया। जानकारी के अनुसार गांव गुडभेली बडी - बरखेडापंथ मार्ग पर सर्वे नम्बर 1/4 स्थित 1050 वर्गफीट भूखण्ड मनोजकुमार पिता गोबरलाल मेघवाल के शासकीय रिकार्ड में दर्ज है। लेकिन उक्त भूखण्ड पर केशुराम पिता मांगीलाल ने कब्जा कर लिया था।

मनोजकुमार ने 30 जनवरी 2025 को तहसीलदार के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद मामला तहसील न्यायालय में चला, न्यायालय ने 1 अप्रेल 2025 को मनोजकुमार के पक्ष में फैसला दिया और केशुराम को कब्जा हटाने का नोटिस जारी किया। उसके बावजूद भी केशुराम ने कब्जा नही छोडा था और निर्माण कार्य शुरु कर दिया था। मनोजकुमार की शिकायत पर रविवार को तहसीलदार द्वारा गठित सात सदस्यीय टीम ने पुलिस बल के साथ मौके पहुंच जेसीबी से केशुराम का कब्जा हटाकर मनोजकुमार को कब्जा प्रदान किया।

मप्र में 14,986 वक्फ संपत्तियों की होगी जांच, भोपाल में 777 का सत्यापन हुआ

भोपाल, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। केंद्र सरकार के संशोधित वक्फ कानून के लागू होने से पहले ही मध्य प्रदेश में वक्फ की संपत्तियों की जांच शुरू हो गई है। भोपाल के 81 गांवों में ऐसी 777 संपत्तियों का सत्यापन पूरा करा लिया गया है। प्रदेश में ऐसी 14,986 भू-संपत्तियों की जांच होनी है। संशोधित वक्फ कानून में वक्फ संपत्तियों का सत्यापन अनिवार्य किया गया है। वहीं वक्फ बोर्ड के अधिकारों को सीमित किया गया है। बताया जा रहा है कि मप्र में इस बदलाव से अरबों रुपये की संपत्ति भी प्रभावित होगी। प्रदेश की 14,986 संपत्तियां वक्फ के नाम हैं। वे इसकी जद में आ रही हैं।

रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा सत्यापन– अब उनका सत्यापन कर रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। यह काम राजस्व विभाग की मदद से किया जाना है। राजधानी भोपाल में इसकी शुरुआत हो चुकी है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि जिले में वक्फ संपत्ति का सर्वे कराया जा रहा है, जिसे ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। भोपाल जिले के 81 गांवों में स्थित हैं वक्फ की संपत्तियां अकेले भोपाल जिले में ही प्लाट, मकान, जमीन व अन्य तरह की 777 वक्फ संपत्तियां हैं। हुजूर, बैरसिया और कोलार तहसील क्षेत्र के 81 गांवों में वक्फ संपत्ति का सत्यापन किया गया है। यह सर्वे क्षेत्र के पटवारियों से कराया गया है, जिसमें किरायेदारी और कब्जे का रिकार्ड दर्ज किया गया है। संशोधित कानून के तहत किए गए बदलाव को लेकर जांच की जा रही है।

मध्य प्रदेश में वक्फ संपत्तियों की संख्या 23,118– मप्र वक्फ बोर्ड का रिकॉर्ड बताता है कि प्रदेश में वक्फ संपत्तियों की संख्या 23 हजार 118 है। इसमें मकान, दुकान और दूसरी सार्वजनिक व कारोबारी इमारतें शामिल हैं। कायदे से इनका प्रबंधन वक्फ बोर्ड करता है और इससे मिली आय को जमा करने की जिम्मेदारी भी उसी की है।

विवादित संपत्ति का सत्यापन– वक्फ कानून में बदलाव के साथ ही बोर्ड अगर किसी संपत्ति पर दावा करता है तो उसका सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। वहीं, जिन संपत्तियों पर बोर्ड और किसी आम व्यक्ति के बीच विवाद चल रहा है तो उसमें भी सत्यापन को अनिवार्य किया जाएगा।

संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है– संशोधित कानून के तहत प्रदेश की वक्फ संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। यह प्रक्रिया लोगों की भलाई और वक्फ संरक्षण के लिए की जा रही है। - डॉ. सनवर पटेल, अध्यक्ष मप्र वक्फ बोर्ड

आउटसोर्स भर्ती प्रक्रिया समाप्त की जाए, अजाक्स ने मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश आजाक्स संगठन के निर्देशन में 6 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर तहसील और ब्लाक कार्यकारिणी सीतामऊद्वारा कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन के नाम तहसीलदार सीतामऊ को ज्ञापन सौंपा गया।

जिसमें प्रमुख मांगे पदोन्नति नियम लागू करना, आउटसोर्स भर्ती प्रक्रिया समाप्त करना यदि अनिवार्य हो, तो इसमें भी आरक्षण प्रणाली लागू करना, 1 लाख पदों की भर्ती समय पर पूर्ण करना, अनुसूचित जाति जनजाति छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति समय को प्रदान करना, ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करना, निर्धारित आरक्षण के अनुसार कुछ पदों का प्रभाव आरक्षित कर्मचारियों को प्रदान करना रखी गई। इस अवसर पर जिला महासचिव राधेश्याम बसेर, श्री भागीरथ परमार संरक्षक, श्री प्रकाश सोलंकी संरक्षक, श्री दिनेश कुमार चौहान कोषाध्यक्ष ब्लॉक सीतामऊ, श्री रामलाल बडगोती कोषाध्यक्ष सीतामऊतहसील, श्री प्रेमकुमार वाघेला सचिव, श्री कालूलाल सूर्यवंशी तहसील अध्यक्ष सीतामऊ, श्री कृष्ण कुमार गौरखेडे, ब्लॉक उपाध्यक्ष सीतामऊ, श्री शंभूलाल सूर्यवंशी तहसील सचिव, मंगलेश परमार, पंकज बसेर, अजाक्स साथी उपस्थित रहे ज्ञापन का वाचन श्री कारूलाल सूर्यवंशी तहसील अध्यक्ष सीतामऊद्वारा किया गया, एवं श्री शंभूलाल सूर्यवंशी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम चौपाल का आयोजन

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा सवर्धन अभियान के तहत आज ब्लॉक सीतामऊके गांव करंडिया मे लोगो को पानी बचाने व उसका सरक्षण करने के संबंधित ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया जिसमे जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक नारायण सिंह निनामा द्वारा जन अभियान परिषद की विस्तार से जानकारी दी गई।

सीएमसीएलडीपीई परामर्शदाता हेमंत कुमार गोड व सत्यनारायण प्रजापति द्वारा पानी बचाने व उसके सरक्षण व उपाय के बारे मे जानकारी दी गई जिसमे, ग्राम वासी किस तरह से छोटे छोटे प्रयास से पानी बचा सकते है उसके बारे मे बताया गया पानी बचाने के कई तरीके जैसे की बरसात के पानी को रेन वाटर हार्वेस्टर (सोख्ता गड्ढा) के द्वारा एकत्र करना चाहिए जिससे कि भूमिगत पानी समाप्त ना हो और आपकी बोरिंग यह हैंडपंप हमेशा अच्छा चलता रहे। अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए घर मे जो हम नल का उपयोग करते है तो उसकी टोटी को टपकने से बचाये, शावर मे नहाने की बजाये बाल्टी मे पानी लेकर जितना जरुरत हों उतना पानी से नहाये, मेड बंधान करें, तालाब गहरीकरण करें और जितना हों सके लोगो को पानी बचाने के लिये प्रेरित करें आज के कार्यक्रम मे जन अभियान परिषद से ब्लॉक समन्वयक नारायण सिंह निनामा, ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि नाथू सिंह गुर्जर, सीएमसीएलडीपीई परामर्शदाता हेमंत कुमार गोड, परामर्शदाता सत्यनारायण प्रजापति, एमएसडब्ल्यू विद्यार्थी मुकेश चौहान, सत्यनारायण दास बेरागी व सभी ग्राम वासी उपस्थित रहे।

जानलेवा डीजे की तेज आवाज पर नियंत्रण हो, प्रशासन इसे गंभीरता से ले-माथुर

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। एक समय था जब बैंड बाजों की आवाज सुरीली व कर्णप्रिय लगती थी लेकिन धीरे धीरे इलेक्ट्रिक माध्यमों ने स्थान ले लिया और अब तो डीजे आ गए। डीजे की अत्यधिक तेज आवाज वृद्धों व बीमारों के लिए जान लेवा साबित हो रही हैं। एक समाचार के अनुसार डीजे की अत्यधिक तेज आवाज के कारण एक युवा की धडकन ही बंद हो गई। डीजे की तेज आवाज के कारण मानव तो ठीक है आसपास के मकान तक में कंपन होने लगता है। प्रशासन इसे गंभीरता ले व ध्वनि प्रदूषण के नियमों का आमजन हित में कडाई से पालन कराए।

उक्त बात वरिष्ठसमाजसेवी हरिनारायण माथुर ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे। अनुराग जनजागरूकता पद यात्रा में अशोककुमार रत्नावत, सिद्धार्थ तंवर, रमेश सोनी, श्रीचंद भावनानी, डॉ. देवेंद्र पुराणिक, राजाराम तंवर, सत्यनारायण भूरिया, इंजी. सुनील व्यास, इंजी. एस के जैन, बंशीलाल टांक, अजीजुल्लाह खान, राजेश मेडतवाल, प्रकाश गंधर्व, रामचंद्र रैकवार आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

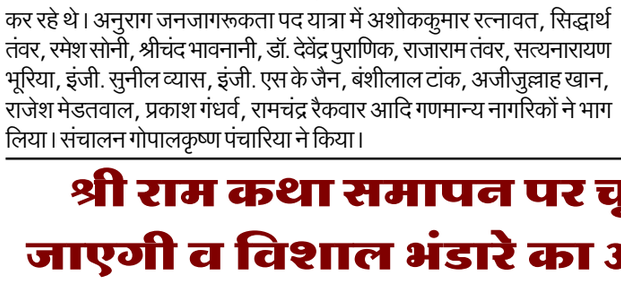

केदारेश्वर नाले की साफ-सफाई

नीमच, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शनिवार को वनमण्डलाधिकारी नीमच श्री एस के ऑटोदे, एवं उप वनमण्डलाधिकारी श्री दशहर अखंड के मार्गदर्शन में केदारेश्वर नाले की साफ सफाई कार्यक्रम वन परिक्षेत्र रामपुरा द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्य में वन परिक्षेत्र अधिकारी रामपुरा श्री भानुप्रताप सिंह सोलंकी एवं वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा केदारेश्वर नाले की सफाई की गई। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जल संचयन के प्रति जन जागरूकता, जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में सभी ने उत्साह पूर्वक सहयोग किया और केदारेश्वर नाले की साफ सफाई की।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत दीवार लेखन किया

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जन अभियान परिषद ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में दीवार लेखन का कार्य किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान में जन जागरूकता हेतु दीवार लेखन का कार्य किया जा रहा है। भविष्य में जल संकट से निपटने और नागरिकों को जल का महत्व बताने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सहित जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य किये जा रहे हैं। इस अभियान में जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी, स्वैच्छिक संगठन हीं नहीं बल्कि आम नागरिक भी इसमें अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

श्री राम कथा समापन पर चूल निकाली जाएगी व विशाल भंडारे का आयोजन आज

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ग्राम साबाखेडा में कथा व्यास पंडित सत्यनारायण शर्मा के मुखारविंद से 9 दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन कथास्थल धर्मराज महाराज मंदिर इंदिरा कॉलोनी, कानाखेडा मे षष्म दिवस की कथा के दौरान पंडित सत्यनारायण शर्मा द्वारा प्रसंगवश के अनुसार कहा कि श्री राम कथा भगवान की 14 वर्ष वनवास के लिए मंगलमय यात्रा प्रारंभ हुई। इस बार यात्रा के दौरान कैकई ने मंत्रा के बहकावे में आकर अपने दो वरदान मांगे। राजा दशरथ जी से भरत पुत्र को गाडी और राम जी को 14 वर्ष का वनवास माँगा गया। फिर निषाद राज से बडे प्रेम पूर्वक का मिलान किया। और निषाद राज द्वारा गंगा नदी पार पहुंचे। एक वाल्मीकि जी द्वारा भगवान श्री राम के रहने के 14 स्थान बताएं। जिसमें मुख्य स्थान चित्रकूट घाट बताया। और फिर कहा कि वहां जाकर प्रभु निवास करो। इस अवसर पर जनपद सदस्य बंशीलाल धनगर जग्गाखेडी सरपंच प्रतिनिधि अनिल गुर्जर, जिला मंत्री, जिला महामंत्री उपस्थित रहे। सप्तम दिवस की कथा मे भरत चरित्र का वर्णन बताया। केकयी को कटु वचन सुनाये। ज़ब यह पता चला कि भैया राम का वनवास केकई माता की वजह से हुआ। गुरु वशिष्ट और माताओ व नगरवासियो और चतुरंगी सेना को सजाकर भैया श्री राम को चित्रकूट लेने गए। वहां से भगवान श्री राम कि चरण पादुका लेकर आ गए। पंडित सत्यनारायण शर्मा द्वारा विस्तार से भरत चरितार्थ का वर्णन किया ! आगे कथा के बाद रविवार को धर्मराज जी का दरबार लगा। जिसमें देवता धर्मराज जी पंडाल मे उपस्थित सैकडो महिलाओ व पुरुषों की अर्जिया स्वीकृत की। जिसमें आज सोमवार नवमी को वाडी उठाई जाएगी। कथा का समय प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे नौ दिवसीय श्री राम कथा समापन होगा। इसके उपरांत श्री धर्मराज मंदिर पर दोपहर 1:15 से चूल निकाली जाएगी। और चूल निकालने के बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया जायेगा। कथा आयोजक से क्षेत्रवासियो से अनुरोध किया गया कि सभी अधिक से अधिक संख्या मे पधारे। अंत मे पंडित सत्यनारायण ने इस धर्मराज के मंदिर मे सभी से सहयोग और स्वयं समर्पण करने की बात के साथ अधिक से अधिक संख्या मे भक्तों से कथा को श्रवण करने का अनुरोध किया।

प्रात:कालीन योग मित्र मंडल ने की नो दिन तक बीस भुजा माता की पैदल यात्रा

नीमच/मनासा, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर के योग मित्र मंडल के तत्वधान में प्रतिवर्ष दोनों नवरात्रि में बीस भुजा माता सावन की पैदल यात्रा की जाती है। नवमी को पैदल यात्रियों की यह यात्रा माँ के दर्शन एवं महाप्रसादी के साथ सानन्द सम्पन्न हुई। प्रात:कालीन योग मित्र मंडल के यात्रा संयोजक सत्यनारायण झँवर (बना) ने बताया कि विगत सात वर्षों से चैत्र नवरात्र एवं कार्तिक नवरात्र में प्रतिवर्ष मित्र मंडल के लगभग 40 सदस्य इस यात्रा में हिस्सा लेते है। सभी यात्री निर्धारित वेशभूषा में माता के जयकारों के साथ प्रात: 5 बजे मनासा से प्रस्थान कर 7 बजे बीस भुजा माता के दर्शन कर वापस लौटते है। इस वर्ष भी माता रानी के 40 आराधको एवं योग मित्र मंडल के सदस्यों ने नवमी को आरती एवं महाप्रसादी प्राप्त कर यात्रा को पूर्ण किया।

मंत्री सुश्री भूरिया ने किया थांदला में नवनिर्मित नवीन संयुक्त तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण

नीमच, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। थांदला में नवनिर्मित नवीन संयुक्त तहसील कार्यालय भवन (लागत राशि रुपये 795.82 लाख) का लोकार्पण प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने फीता काट कर किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री निर्मला भूरिया का स्वागत सांस्कृतिक नृत्य के माध्यम से किया गया। नवीन संयुक्त तहसील कार्यालय भवन की सजावट को देख कर कैबिनेट मंत्री मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। मंचासीन अतिथियों में प्रदेश अध्यक्ष अजजा मोर्चा श्री कलसिंह भाबर, जनप्रतिनिधि श्री भानू भूरिया, विधायक थांदला श्री वीरसिंह भूरिया, अध्यक्ष, नगर परिषद लक्ष्मी पणदा, संगीता सोनी, गौरव खण्डेलवाल, बंटी डामोर रहें।।

कैबिनेट मंत्री सुश्री भूरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य शासन अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सुविधा प्रदान करने के लिए आधुनिकतम तकनीकों का उपयोग कर रही हैं। इसी उद्देश्य से नवीन संयुक्त तहसील कार्यालय को तकनीक से लैस कर बनाया गया हैं। प्रशासन को तकनीकी रूप से सक्षम बनाए जाने के लिए ही आधुनिक भवनों का निर्माण किया जा रहा। ग्रामीणजनों तक सुविधा पहुंचाने के लिए तहसील कार्यालय एक महत्वपूर्ण कडी होता हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में में राजस्व संबंधी प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए साइबर तहसील की भी शुरुआत की गई हैं। साथ ही तकनीकी सहयोग ले कर फाइलों के जल्द निपटारे के लिए ई ऑफिस की शुरुआत भी सेवा प्रदायगी को कम से कम समय में सुनिश्चित करेगी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री तरुण जैन द्वारा मंचासीन अतिथियों को अवगत कराया कि संयुक्त तहसील कार्यालय भवन लागत 795.82 लाख से निर्मित है इसमें तीन कोर्ट रुम एवं सायबर रेकॉर्ड रुम है, साथ ही भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण हैं। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पी एल कुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री तरुण जैन, एस डी ओ पी थांदला, तहसीलदार एवं राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

महासोम यज्ञ की तैयारियां अंतिम चरणों में

सांसद सुधीर गुप्ता और आयोजन समिति ने यज्ञ स्थल का किया अवलोकन

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अप्रैल माह में 12 से 18 अप्रैल तक श्री वल्लभाचार्य नगर कालाखेत में होने जा रहे महासोम यज्ञ आयोजन की तैयारी का सांसद सुधीर गुप्ता और आयोजन समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता गणों खेत प्रांगण में पहुंचकर अवलोकन किया। इस दौरान यहां सांसद सुधीर गुप्ता ने मीडिया को बताया कि दशपुर नगर जो की प्राचीन ऐतिहासिक धार्मिक सांस्कृतिक वैभवशाली नगर है और इस नगर में सबसे श्रेष्ठ सोम यज्ञ का होना हम सबके लिए गौरवशाली क्षण है।

उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन का रिमोट है सोमयज्ञ। जैसे टीवी सेट के लिए अपने हाथ में रिमोट लेकर के चाहे जो चाहे देख सकते हैं वैसे ही मनुष्य जीवन का रिमोट सोम यज्ञ होता है जो हमारे संस्कार हमारे स्वास्थ्य और हमारे श्री की वृद्धि करता है। पूर्ण विधि विधान के साथ यहां महासोम यज्ञ संपन्न होगा। जिसकी यहां व्यापक तैयारियां की जा रही है। सोम यज्ञ में प्रतिदिन 21 वेदियों पर जोड़े सम्मिलित होंगे। वैष्णवाचार्य पूज्य गोकुलोत्सव जी महाराज इस यज्ञ को संपन्न कराएंगे। अवलोकन के समय यहां आयोजन समिति अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, तथा सर्वश्री धीरज पाटीदार, के के बाहेती, हेमंत भाई शाह, विनय बाहेती, बंटी चौहान, हेमंत शर्मा, विक्रम भटनागर गौरव अग्रवाल, संजय गोठी, विजय अटवाल, प्रद्युम्न शर्मा, ब्रजेश जोशी, राजेंद्र चाष्ट, जीतू पारिख, अमन फरक्या, योगेश भट्ट, दाऊ भाई विजयवर्गीय, आदि उपस्थित थे।

पोस्टर प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा अभियान के तहत ग्राम श्रीनगर में ग्राम उत्थान सेवा समिति द्वारा विद्यालय में जल संरक्षण विषय पर प्रतियोगिता आयोजित कर बच्चो को पुरुस्कृत किया गया। जल संरक्षण के महत्व को जनमानस तक पहुँचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह अभियान ना केवल जल की कमी के प्रति जागरूकता फैलाता है, बल्कि जिले के नागरिकों को सक्रिय रूप से जल संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। जिसमें पुरुष एवं महिलाओं को जल संवर्धन और संरक्षण के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। जल संकट की गंभीरता को दर्शाने वाली प्रेरणादायक फिल्मों का प्रदर्शन किया गया, जिससे जल बचाने के प्रति संवेदनशीलता जाग्रत हुई।

कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने चारा एवं भूसे के निर्यात पर 30 जून तक प्रतिबंध लगाया

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती अदिती गर्ग ने जिले में चारा एवं भूसे के निर्यात को रोकने के लिए पर 30 जून तक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। मंदसौर जिला अंतर्गत चारा/भुसा के निर्यात होने व अन्य कारणों से पशुओं के भुसा एवं चारा आदि की कमी होने की आशंका है। जिले मे उत्पादित भुसा एवं चारे को पशुओं हेतु पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति एवं संग्रहण करना आवश्यक है। मप्र पशु चारा (निर्यात नियंत्रण) आदेश 2000 के निहित प्रावधानों के अधीन प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए पशुओं के आहार में आने वाले सभी प्रकार के चारा, भुसा, घास, ज्वार आदि पशु चारे का उपयोग ईट भट्टे में जलाने, फैक्ट्रियों में जलाने एवं जिले की सीमा से बाहर निर्यात को तत्काल प्रभाव से 30 जून 2025 तक के लिए प्रतिबन्ध लगाया गया है। समस्त प्रकार के भुसा, चारा, घास, कडवी आदि को कोई भी कृषक, व्यापारी, व्यक्ति या निर्यातक संस्था किसी भी प्रकार के वाहन, नाव, मोटर-ट्रक, बैलगाडी एवं रेल्वे अथवा अन्य साधन द्वारा जिले के बाहर बिना कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की लिखित अनुमति के निर्यात नहीं करेगें। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उक्त आदेश का उल्लंघन होने पर म.प्र. पशु चारा (निर्यात नियंत्रण) आदेश 2000 के निहित प्रावधानों के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

सहकारिता के क्षेत्र में प्रगति को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रश्नकाल के दौरान सांसद सुधीर गुप्ता ने सहकारिता क्षेत्र को लेकर लोकसभा में प्रश्न किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश में सहकारिता क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा की है। सरकार का विद्यालयों, महाविद्यालयों और आईआईएम में सहकारिता पाठ्यक्रम शुरू करने तथा सफल सहकारिता संगठन को बढ़ावा देने का विचार है। इस पर क्या प्रतिक्रिया है और शिक्षा क्षेत्र में ऐसे पाठ्यक्रम शुरू करने के उद्देश्य और लक्ष्य क्या है। इन्हें कब तक शुरू किए जाने की संभावना है; और सरकार द्वारा देश में सहकारिता क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए हैं।

प्रश्न के जवाब में सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बताया कि सहकारी समितियों की समीक्षा और निगरानी एक अनवरत प्रक्रिया है। सरकार देश में सहकारी क्षेत्र के प्रगति की समीक्षा और निगरानी में गहनतापूर्वक लगी हुई है। परिणामस्वरूप, सहकारिता मंत्रालय ने दिनांक 06 जुलाई, 2021 को अपनी स्थापना के पश्चात् जमीनी स्तर पर सहकारी आंदोलन को सशक्त करने के लिए 60 पहलें की हैं। समीक्षा और विस्तृत परिणामों के आधार पर कमियों की पहचान की गई है। सहकारिता मंत्रालय ने इन परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर परियोजनाओं की निगरानी के लिए बहुआयामी पद्धति अपनाई है। विभिन्न पहलों की प्रगति का आकलन करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की कक्षा 6 के समाज-विज्ञान की पाठ्य-पुस्तक में सहकारी क्षेत्र पर एक अध्याय शामिल किया गया है। शैक्षिक पहल को अधिक सशक्त करने के लिए सहकारिता मंत्रालय द्वारा शैक्षिक संस्थाओं में सहकारी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए शिक्षा मंत्रालय के साथ परामर्श किया जा रहा है और आगामी शैक्षिक सत्र से अन्य कक्षाओं में अध्याय शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, लोक सभा में त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 पारित हो गया है। यह प्रस्तावित विश्वविद्यालय सहकारी क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रदान करने और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास कार्यकलाप करने की वांछा करता है। यह डिग्री कार्यक्रम, दूरस्थ शिक्षा और ई-लर्निंग पाठ्यक्रम प्रदान करेगा और सहकारी क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र विकसित करेगा। यह भारत में या भारत के बाहर किसी अन्य स्थान पर बाहरी परिसर या संबद्ध संस्थान स्थापित कर सकता है। शैक्षिक संस्थानों में सहकारी पाठ्यक्रम की शुरुआत का उद्देश्य व्यावहारिक शिक्षा को अकादमिक ज्ञान के साथ एकीकृत करना, छात्रों को उद्योग-प्रासंगिक कौशल से लैस करना और उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना है। ये पाठ्यक्रम शिक्षा और उद्योगों के मध्य सहयोग को बढ़ावा देते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि छात्र इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और लाइव परियोजनाओं के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे पाठ्यक्रमों का लक्ष्यों और उद्देश्यों में सैद्धांतिक शिक्षा और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच के अंतर को कम करना, समस्या समाधान, नेतृत्व और संचार कौशल विकसित करना और एक उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ावा देना शामिल है। सहकारी पाठ्यक्रम छात्रों को उभरती प्रौद्योगिकियों, करियर के अवसरों को मजबूत करने और आजीवन सीखने और अनुकूलनशीलता को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। इसके अतिरिक्त, वे सामाजिक जिम्मेदारी, टीमवर्क और नैतिक निर्णय लेने, गत्यात्मक और प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजारों के लिए छात्रों को तैयार करते हैं। स्कूलों में सहकारी पाठ्यक्रमों को शामिल करने से छात्रों को प्रारंभिक करियर इनसाइट्स प्राप्त होती है, वे विशेष क्षमताओं का विकास करते हैं, वे प्रबंधकीय और उद्यमशीलता कौशल को परिष्कृत करते हैं, जिससे वे उद्योग के लिए तैयार नेतृत्व करने वाले बनते हैं। यह उद्योग के लिए तैयार स्नातकों का निर्माण करने और शैक्षिक शिक्षण के साथ कार्य अनुभव को एकीकृत करके शिक्षा की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। क्षेत्रों के साथ नियमित मासिक समीक्षा बैठकें की जाती हैं। विभिन्न पहलों की प्रगति की समीक्षा के लिए नाबार्ड, एनडीडीबी, एनएफडीबी जैसे महत्वपूर्ण हितधारकों सहित अन्य हितधारकों को उनके राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तरीय कर्मियों एवं मशीनरी के माध्यम से शामिल किया जाता है। विशेष रूप से पैक्स कंप्यूटरीकरण परियोजना की समीक्षा के लिए राष्ट्र स्तरीय निगरानी और कार्यान्वयन समिति, राज्य एवं जिला स्तरीय कार्यान्वयन और निगरानी समितियों का गठन किया गया है। इसके अलावा, सहकारिता मंत्रालय की सभी पहलों का प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य सहकारी विकास समिति और जिला स्तर पर जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति का गठन किया गया है। राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस द्वारा सशक्त रिपोर्टिंग प्रणालियों के माध्यम से इन प्रयासों का समर्थन किया जाता है जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है।

वक्फ बिल बना कानून, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 6 मार्च। भारत की संसद में लंबी बहस और तीखे विरोध के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को एक ऐतिहासिक कानून के रूप में स्वीकृति मिल गई। शनिवार, 6 अप्रैल 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस विधेयक पर अपनी मुहर लगा दी, जिसके साथ ही यह औपचारिक रूप से कानून बन गया।

गजट अधिसूचना जारी होने के साथ ही वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम बदलकर अब यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, इम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट (उम्मीद) अधिनियम, 1995 हो गया है। यह नया नाम इस कानून के उद्देश्यों—प्रबंधन में एकरूपता, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास—को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

मुस्लिम समुदाय का विरोध–इस विधेयक को संसद के बजट सत्र में पारित किया गया था। लोकसभा में 3 अप्रैल की सुबह और राज्यसभा में 4 अप्रैल की सुबह हुई मतदान प्रक्रिया में इसे मंजूरी मिली। लोकसभा में 520 में से 288 सांसदों ने इसके पक्ष में और 232 ने विरोध में वोट दिया, जबकि राज्यसभा में 128 सांसदों ने समर्थन और 95 ने विरोध किया। यह कानून बनने की प्रक्रिया तब और चर्चा में आई जब विपक्षी दलों और कई मुस्लिम संगठनों ने इसके खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किए। फिर भी, सरकार ने इसे पारित कराने में सफलता हासिल की।

क्या है नए कानून में?–नए कानून का मूल मकसद वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग, पक्षपात और अतिक्रमण को रोकना है। सरकार का दावा है कि यह कानून मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य वक्फ संपत्तियों का पारदर्शी और कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करना है। इसमें कई अहम प्रावधान शामिल किए गए हैं, जैसे वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों और महिलाओं की नियुक्ति, संपत्तियों का डिजिटलीकरण, कलेक्टर को सर्वेक्षण का अधिकार देना और ट्रिब्यूनल के फैसलों के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की सुविधा। इन बदलावों को सरकार ने पारदर्शिता और बेहतर प्रशासन की दिशा में एक कदम बताया है। हालांकि, इस कानून का विरोध करने वाले मुस्लिम समुदाय और विपक्षी दलों का कहना है कि यह धार्मिक स्वायत्तता पर हमला है। खास तौर पर वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति को वे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप मानते हैं। विरोधियों का यह भी तर्क है कि यह कदम वक्फ की मूल भावना को कमजोर करता है। दूसरी ओर, केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में जोर देकर कहा कि यह कानून मुस्लिम विरोधी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि इससे गरीब मुस्लिम महिलाओं और बच्चों को लाभ होगा। गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति पर उठे सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि 11 सदस्यीय बोर्ड में गैर-मुस्लिमों की संख्या तीन से अधिक नहीं होगी, जिससे बहुमत मुस्लिम सदस्यों का ही रहेगा। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद अब यह कानून पूरे देश में लागू हो चुका है। सरकार को उम्मीद है कि इससे वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण और उचित उपयोग को नई दिशा मिलेगी। लेकिन विरोधी पक्ष इसे धार्मिक स्वतंत्रता पर खतरे के रूप में देख रहा है, जिससे इस कानून के कार्यान्वयन और प्रभाव को लेकर बहस अभी खत्म होने के आसार नहीं दिखते।

डॉ. आंबेडकर के विचारों को सजीव करने वाली पीढ़ी तैयार कर रही है अजाक्स

मंदसौर, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। एक महान समाज केवल कानूनों से ही नहीं, विचारों से बनता है। इन्हीं विचारों को साकार रूप देने के उद्देश्य से बाबा साहेब डॉ बी आर अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति अजाक्स मन्दसौर ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मन्दसौर किया, जिसमें न केवल ज्ञान का आदान-प्रदान हुआ, बल्कि नव पीढ़ी को संविधान और सामाजिक न्याय के मूल्यों से जोड़ने का प्रयास भी किया गया।

युवा मनों में बोया गया विचारों का बीज– प्रतियोगिता के प्रश्न सिर्फ सूचना नहीं थे, वे ऐसे बीज थे जिन्हें समझ, विवेक और आत्मचिंतन के साथ अंकुरित करने का अवसर विद्यार्थियों को मिला। भारतीय संविधान में निहित समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व जैसे मूल तत्वों को जब विद्यार्थी उत्तर पत्र में लिख रहे थे, तो वह एक प्रकार का मनन और आत्मचिंतन भी था। अजाक्स मन्दसौर केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सामाजिक की चेतना का पर्याय बन चुका है। समिति ने यह आयोजन एक साधारण परीक्षा की तरह नहीं, बल्कि डॉ. अंबेडकर के विचारों का जन-जन में प्रसार करने वाली एक सांस्कृतिक एवं बौद्धिक क्रांति की तरह आयोजित किया। यह क्रांति बिना किसी शोर के, ज्ञान और विचारों की लौ जलाकर हो रही है। 'बाबा साहेब ने कलम के माध्यम से जिस क्रांति की नींव रखी, आज हमें उसे समाज के हर कोने तक पहुँचाना है। प्रतियोगिता की इस पहल ने एक नई दिशा दिखाई है – विचारों से जोड़ने की, समझ से आगे बढ़ने की।

यह प्रतियोगिता एक शुरुआत है – उस समाज की ओर, जहाँ ज्ञान को ही सच्चा सम्मान और विचारों को ही सबसे बड़ा शस्त्र माना जाएगा। यह आयोजन यह सिद्ध करता है कि शिक्षा केवल डिग्रियों का माध्यम नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन की कुंजी है। विद्यार्थियों ने जिस प्रकार संविधान आधारित प्रश्नों में रुचि दिखाई, वह इस बात का प्रमाण है कि आज की पीढ़ी जागरूक है, चिंतनशील है और समाज के लिए उत्तरदायी बनने को तैयार है। सभी उपस्थित अतिथियों और समिति सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर परीक्षा केंद्राध्यक्ष श्री के.सी.सोलंकी, अजाक्स जिलाध्यक्ष प्रहलाद कुमार सूर्यवंशी, परीक्षा ऑब्जर्वर श्री रामलाल लोदवार, जिला सचिव श्री रघुवीर मालवीय, पर्यवेक्षक श्री जीवराज डांगी, पर्यवेक्षक श्री सुरेश बोराना, जिला संयुक्त सचिव श्री सुनील राठौर मंदसौर, जिला संयुक्त सचिव श्री राकेश कुमार डांगी, तहसील अध्यक्ष श्री दिनेश सूर्यवंशी, मल्हारगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष श्री राजेंद्र कुमार चौहान, श्री कुंदन सांखला, डॉ के आर सूर्यवंशी, प्रो.संदीप सोनगरा, श्री दिनेश सरेड़, अशोक कुमार देवड़ा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में स्वल्पाहार वितरित किया गया, कार्यक्रम का संचालन जीवराज डांगी ने किया अंत में आभार जिला सचिव श्री रघुवीर मालवीय ने व्यक्त किया।

पंडितजी के नाम पर रहेगा मनासा सरकारी हास्पिटल

मनासा, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मनासा विधायक माधव मारू समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जारी रामेश्वर मारू बनाम दीनदयाल उपाध्याय की बहस विधायक माधव मारू के लिए परेशानी का सबब बन गई। यह बहस मनासा के दीनदयाल उपाध्याय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम बदल कर रामेश्वर मारू चिकित्सालय रखने पर शुरू हुई थी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के उन्नयन के बाद नए भवन का नाम योजना समिति की बैठक में विधायक माधव मारू के प्रस्ताव पर बदल दिया गया था। सांसद सुधीर गुप्ता, जिले की प्रभारी मंत्री व विधायकों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम हटाने का समर्थन कर दिया। नये भवन पर रामेश्वर मारू सिविल अस्पताल का बोर्ड लगा दिया गया।

भाजपा नेताओं ने तो नहीं, एक कॉंग्रेसी ने रखा पं. दीनदयाल उपाध्याय का पक्ष–जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं में तो इस बदलाव का विरोध करने का साहस था नहीं, क्योंकि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पक्ष में बोलने वाला कोई था नहीं और विधायक माधव मारू के विरोध में भी कौन बोले जब सांसद और अन्य विधायकों ने ही उन्हें सही राय नहीं दी। ऐसे में बात का बतंगड़ तब बना जब नाम बदलने पर मनासा के एक कॉंग्रेसी नेता आर सागर कछावा ने मारू बनाम पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की बहस छेड़ दी। आर सागर कछावा ने सोशल मीडिया पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की वरिष्ठता और उनके द्वारा पार्टी के लिए योगदान की तुलना में स्व.रामेश्वर मारू पर सवाल खडे कर दिए जिसके जवाब में कुछ मारू समर्थक कछावा से भीड़ गए।

मुख्यमंत्री तक पहुंचा मामला तो मुख्य सचिव ने जताई नाराजगी–इस भीड़मभाड़ी में मुद्दा मुख्यमंत्री तक पहुँच गया। सूत्र बताते हैं कि मुख्यमंत्री की नाराज़गी मुख्य सचिव तक पहुंची तो मुख्य सचिव ने नीमच कलेक्टर से नाराज़गी ज़ाहिर की। ऐसे में जिला भाजपा द्वारा आनन-फानन में डेमेज कंट्रोल तय किया गया। भाजपा जिला कार्यालय से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पक्ष में पत्र जारी किया गया। पार्टी के प्रति उनके सिद्धांतों, आदर्शों और योगदान को महिमामण्डित कर मनासा सिविल हॉस्पिटल का नाम यथावत पं.दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखना तय किया गया। इस आशय का एक पत्र भी नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार द्वारा कलेक्टर को लिखा गया।

विधायक माधव मारू ने भी दिखाया बड़ा दिल, मांगी माफी–मनासा सिविल अस्पताल का नाम बदले जाने के अपने प्रस्ताव पर मचे कोहराम के बाद भोपाल तक हलचल होने पर विधायक माधव मारू ने भी बड़ा दिल दिखाया और माफी मांग ली। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि जब अस्पताल भवन का नाम रामेश्वर मारू के नाम पर रखने का प्रस्ताव किया था तब किसी के मन में यह खयाल नहीं आया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम पहले से ही पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर था। उन्होंने कहा कि गलती हुई है, संज्ञान में आने पर सुधार किया जा रहा है।

आयुष अस्पताल का नाम होगा स्व. दादा रामेश्वर मारू के नाम पर–विधायक द्वय दिलीप सिंह परिहार व माधव मारू ने बताया कि मनासा में ही एक और अस्पताल आ रहा है उसका नाम स्व.रामेश्वर मारू के नाम पर रखा जाएगा।

वह व्यक्ति कौन है, जिसने बात मुख्यमंत्री तक पहुंचाई !–यह बात सच है कि कॉंग्रेस नेता आर सागर कछावा ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर सवाल उठाया था। लेकिन यह भी सच है कि मुख्यमंत्री तक इस घटनाक्रम की जानकारी पहुंचाने वाला कोई और है ! वह कोई और कौन है, यह सवाल भाजपाई खेमे में एक दूसरे से पूछा जाना लाजिमी है!

राम नवमी के अवसर पर संघ ने मनाया शारीरिक प्रधान कार्यक्रम

मनासा, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में देश भर अनेकों कार्यक्रम कर रहा है, पुरे भारत वर्ष में विभिन्न जगहों पर अलग अलग प्रकार से समाज मे जागृति आए उसके लिए कार्यक्रम कर रहा है, इसी कड़ी में राम नवमी के अवसर पर मनासा में शारीरिक प्रधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे मनासा खण्ड से स्वयंसेवक सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में खण्ड संघचालक अनिल सोनी, अतिथि रूप में सुरेश जी पाटीदार सेवानिवृत्त शिक्षक, मुख्य वक्ता जिला सहकार्यवाह विश्वास यादव मंचासीन रहे, मुख्य वक्ता विश्वासजी ने अपने उद्बोधन में बताया कि संघ समाज मे पंच परिवर्तन की आशा रखता है यदि ये हो गए तो भारत को परम वैभव पर जाने से कोई नही रोक सकता, देश भक्ति बोलने की या नारे लगाने की नही है बल्कि मन से करने का काम है, समरसता युक्त समाज के निर्माण के लिए मन मे बसे अहंकार को खत्म कर सर्वे भवंतु सुकिन की भावना को चिरतार्थ करना होगा, अनेकों अंगों से मिलकर यह शरीर बना है यदि कोई अंग शरीर से अलग हो जाए तो न वो अंग किसी काम का रहता है और साथ ही शरीर भी हानि में ही रहता है इसी तरह यदि समाज मे या आपस मे यदि कोई मतभेद हो जाए तो वह मनभेद तक न पहुँचे इस बात का विशेष ख्याल रहे, जो भारत मे प्राचीन काम में आक्रांताओं द्वारा हुआ वह पुन: न दोहराया जाए उसके लिए हमें समाज मे समरसता का भाव लाना होगा, वासुदेव कुटुंबकम की भावना हर हिन्दू में रहे, परिवार में संस्कार हो, सभी साथ मे रहे, बच्चों में संस्कार रहे, हमें एक परिवार रहना है फैमिली नही बनना है, परिवार में हर रिश्ता होता है, आज के युग मे युवा पीढ़ी गलत दिशा में जा रही है यदि परिवार सामूहिक रहे तो यह कुरुतिया नही होगी। कार्यक्रम में समाज से अनेकों माताएं एवं प्रबुद्धजन उपस्तिथ रहे।

भाजपा का 46 वां स्थापना दिवस मनाया

सुवासरा, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा मंदसौर जिले सहित पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी का 46 वां स्थापना दिवस मनाया गया। जिसके अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपने निवास स्थान पर भारतीय जनता पार्टी का ध्वज लहराया। इसी तारतम्य में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ विजय पाटीदार ने सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के बूथ क्रमांक 279 ग्राम जमुनिया में पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। श्रीमती पाटीदार भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ ग्राम जमुनिया के आंगनवाड़ी भवन पहुंची एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ आंगनवाड़ी भवन के लिए एक पंखा भी भेंट किया और आंगनवाड़ी में अध्यनरत छोटे बच्चो को मिठाई वितरित की। श्रीमती पाटीदार के साथ उपस्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने आंगनवाड़ी भवन को गोद लेने का संकल्प भी लिया। निश्चित रूप से इस नवाचार से जहां एक तरफ आंगनबाड़ी भवनों में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की गुणवत्ता तो बढ़ेगी ही, आंगनवाड़ी भवनों की साज सज्जा एवं साफ सफाई में भी बड़ा परिवर्तन होगा, इस नई मुहिम से ग्रामवासी शासकीय भवनों से सीधे जुड़ेंगे एवं शासकीय भवनों के प्रति एक ग्राम वासी के रूप में अपने उत्तरदायित्व को समझने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर जिला महामंत्री भाजपा अजा मोर्चा श्री प्रकाश सोलंकी, बूथ अध्यक्ष श्री कमल दास बैरागी, मीडिया प्रभारी मंडल सुवासरा श्री दिग्गु बना, भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री बंसीलाल विश्वकर्मा, श्री मांगू सिंह, लाखन सिंह, राय सिंह धनगर, रामप्रसाद धनगर, श्री गोपाल सिंह चंद्रावत, श्री मोहन दास बैरागी, श्री जगदीश धनगर, श्री बंटी विश्वकर्मा आदि कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

पुलिस ने बेट्री चोरी का किया पर्दाफाश...

22 बेट्रियां बरामद, एक धराया, एक फरार

मनासा, 06 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल द्वारा चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु सभी थाना प्रभारीयों को निर्देशित किया गया था जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमच श्री नवलसिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मनासा निरीक्षक शिव रघुवंशी के नेतृत्व में थाना मनासा पुलिस द्वारा 2 दिन पूर्व हुई दरगपुरा टावर साईट से 22 नग बेट्री चोरी में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 22 नग बेट्री भी जप्त की गयी।

दिनाक 02.04.2025 को थाना मनासा पर फरियादी प्रफुल शर्मा ने रिपोर्ट किया कि दिनाक 01.04.2025 की रात्री में दरगपुरा टावर साईट से कोई अज्ञात बदमाश 22 नग बेट्री चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर से थाना मनासा पर अपराध क्रं. 135/2025 धारा 303 (2) बीएनएस का पंजीबाद किया जाकर विवेचना में लिया गया। दौराने विवेचना मुखबीर तंत्र सक्रिय किये गये व घटनास्थल के आसपास के केमरे खंगाले गये तथा विवेचना में आये तकनिकी साक्ष्यों व व्यावसायिक दक्षता का प्रयोग करते हुए आरोपी हंसराज उर्फ बंटी पिता मोहनलाल काछी निवासी इन्द्रा नगर नीमच को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी के कब्जे से 22 नग बेट्री जप्त की गयी है। फरार आरोपी दीपक उर्फ टन्या निवासी कच्ची बस्ती नीमच की तलाश जारी है। आरोपीयो का आपराधिक रिकॉर्ड देखते आरोपीयो के थाना नीमच केंट, थाना कुकडेश्वर, थाना जावद आदि थानो में भी पूर्व में अपराध कायम है। इस सराहनीय कार्य ने उनि तेज सिंह सिसौदिया, प्रआर अकीब मेव, आर अनिल असवार, आर. दीपक सेन, आर. कुशलपाल, आर, हेमन्त सोनगरा, आर. अनिल धनगर का विशेष योगदान रहा।

चांदी के भाव में भारी...

पेज 1 से जारी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से भाव गिर रहे हैं। इससे घरेलू बाजार में चांदी सस्ती हो रही है। आगे भी उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रह सकती है। सराफा व्यापारी राकेश सोनी ने बताया कि मुनाफा वसूली के कारण भाव लगातार नीचे आ रहे हैं।

सोने में भी गिरावट–चांदी के साथ सोने के भाव में भी गिरावट आ रही है। सोने में 500 रुपए प्रति दस ग्राम की गिरावट आई और भाव 91 हजार 100 रुपए प्रति दस ग्राम पहुंच गए। जबकि एक दिन पहले सोना 91 हजार 600 रुपए प्रति दस ग्राम बिक रहा था।

मुनाफा वसूली से गिरे दाम–सराफा व्यापारियों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा बाजार में बड़े निवेशकों की मुनाफा वसूली से चांदी के भाव में गिरावट आ रही है। टैरिफ को लेकर पिछले कई महीनों से जो अनिश्चितता थी, उसके खत्म होने के बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सभी देशों से वार्ता के रास्ते खुले होने के बयान का असर सराफा बाजार पर हो रहा है। चीन पर 50 फीसदी टैरिफ और औद्योगिक मांग में कमी की आशंका से चांदी में गिरावट आ रही है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/520/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक-02.04.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक आर्यन इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी, 95 मंगलम विहार कालोनी, मंदसौर, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 17.03.2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 07.05.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मंदसौर	बिलांत्री	514/1/1	3.950 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम सेड़ मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 07.05.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-11219/25

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/542/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक-02.04.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री हरीशकुमार पाटीदार पिता अशोककुमार पाटीदार, निवासी ग्राम बूढ़ा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 24.03.2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 07.05.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मल्हारगढ़	पीरगुराड़िया	304	5.730 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम सेड़ मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 07.05.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-11223/25

दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in